दैनिक
मिशन नेशनल न्यूज
Mission of Truth
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाईट पढ़े: www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-358 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार,बुधवार , 25 दिसंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता कुलदीप सेंगर की अंतरिम जमानत 20 जनवरी तक बढ़ी

नई दिल्ली

उन्नाव बलात्कार मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय ने भाजपा नेता कुलदीप सेंगर की अंतरिम जमानत 20 जनवरी तक बढ़ा दी। भाजपा नेता सेंगर उन्नाव बलात्कार पीड़िता के पिता की हिरासत में मौत के मामले में 10 साल की जेल की सजा काट रहा है। चिकित्सा आधार पर अंतरिम जमानत बढ़ाने की सेंगर की याचिका पर सुनवाई कर न्यायमूर्ति मनोज कुमार ओहरी ने जमानत विस्तार का आदेश दिया।

20 दिसंबर को सुनवाई में जस्टिस प्रतिभा एम सिंह और जस्टिस अमित शर्मा की पीठ ने सेंगर की जमानत 20 जनवरी तक बढ़ा दी। दिल्ली हाई कोर्ट ने भी उसी आधार पर जमानत बढ़ा दी। न्यायमूर्ति ओहरी ने कहा कि डिवीजन बेंच के 20 दिसंबर के आदेश के मद्देनजर अपीलकर्ता की सजा 20 जनवरी, 2025 तक निलंबित रहेगी, जिस दिन सेंगर आत्मसमर्पण करेगा। आदेश को संबंधित जेल अधीक्षक को सूचित किया जाएगा। मेडिकल कारणों के आधार पर कुलदीप सेंगर को सेवा विस्तार दिया है। मामले की सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने कहा अपीलकर्ता (सेंगर) की समग्र चिकित्सा स्थिति को ध्यान में रखते हुए, अदालत की राय है कि जिस अवधि के लिए निलंबन की मांग की जा रही है वह लंबी है। हालांकि अपीलकर्ता को ठीक होने में सक्षम बनाने के लिए उनकी आंख की सर्जरी, अंडकोश में दर्द और शौच के दौरान होने वाले रक्तस्राव की समस्याओं को देखते हुए अंतरिम जमानत को एक महीने की अवधि के लिए बढ़ाने का निर्देश दिया गया है।

क्या वाकई वंदे भारत ट्रेन भटक गई थी, अब रेलवे अधिकारियों ने दी सफाई

नई दिल्ली

सोशल मीडिया पर वंदे भारत ट्रेन के भटकने की खूब चर्चा हो रही है। कहा जा रहा है कि जिस वंदे भारत ट्रेन को गोवा जाना था, वह कल्याण पहुंच गई। अब रेलवे अधिकारियों ने इस मामले में सफाई दी है और बताया कि रास्ता एक टेक्निकल ग्लिच की वजह से बदला था और रूट को डायवर्ड किया गया था।

असल में वंदे भारत ट्रेन अपने रेगुलर रूट से डेविएट हो गई थी। बताया जा रहा है कि दिवा स्टेशन पर तकनीकी खराबी आ गई थी। उस खराबी के चलते पनवेल स्टेशन वाला रूट लेने के बजाय ट्रेन ने कल्याण का रूट पकड़ लिया और वंदे भारत 90 मिनट की देरी से गोवा पहुंची। सेंट्रल रेलवे चीफ (पीआरओ) ने कहा कि यह एक सिग्नल फेलियर था, प्वाइंट नंबर 103 पर तकनीकी खराबी आ गई थी।

जानकारी तो यह भी मिल रही है कि ट्रेन कल्याण स्टेशन तो सुबह 7.04 बजे पहुंच गई थी, फिर वापस उसे दिवा स्टेशन के लिए डायवर्ट किया गया, वहां वह सुबह 7.13 बजे पहुंची। इस ट्रेन की रफ्तार भी सामान्य ट्रेनों से ज्यादा है, ऐसे टेक्निकल ग्लिच भी काफी कम ही देखने को मिलते हैं। वैसे अब तो चर्चा वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की भी हो रही है।

चुनाव नियमों में बदलाव को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

कांग्रेस ने याचिका लगाई; केंद्र ने पोलिंग बूथ के फुटेज सार्वजनिक करने से इनकार किया था

नई दिल्ली

कांग्रेस ने मंगलवार को चुनाव से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स पब्लिक करने से रोकने के नियम को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। केंद्र सरकार ने 20 दिसंबर को पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कुछ इलेक्ट्रॉनिक डॉक्यूमेंट्स को पब्लिक करने से रोकने के लिए चुनाव नियमों में बदलाव किया था।

याचिका पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा- चुनाव आयोग को ऐसे महत्वपूर्ण कानून (चुनाव संचालन नियम, 1961) में एकतरफा संशोधन करने की अनुमति नहीं दी जा सकती। नियमों में बदलाव के बाद 21 दिसंबर को रमेश ने कहा था- चुनाव आयोग पारदर्शिता से इतना डरता क्यों है। आयोग के इस कदम को जल्द ही कानूनी चुनौती दी जाएगी।

चुनाव आयोग ने कानून में नियमानुसार शब्द जोड़ा

चुनाव आयोग की सिफारिश पर कानून मंत्रालय ने 20 दिसंबर को द कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल- 1961 के नियम 93(2)(ए) में बदलाव किया है। नियम 93 कहता है कि चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज पब्लिकली उपलब्ध रहेंगे। इसे बदलकर चुनाव से जुड़े सभी दस्तावेज नियमानुसार पब्लिकली उपलब्ध रहेंगे कर दिया गया है।

हाईकोर्ट के फैसले की वजह से बदला नियम

अधिकारियों ने बताया था कि एआई के इस्तेमाल से पोलिंग स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ करके फेक नैरेटिव फैलाया जा सकता है। इसी कारण इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड पब्लिक करने पर रोक

लगाई गई है। हालांकि बदलाव के बाद भी ये रिकार्ड्स कैंडिडेट्स के लिए उपलब्ध रहेंगे। अन्य लोग इसे लेने के लिए कोर्ट जा सकते हैं। दरअसल, पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एक केस में हरियाणा विधानसभा चुनाव से जुड़े दस्तावेज याचिकाकर्ता से साझा करने का निर्देश दिया था। इसमें सीसीटीवी फुटेज को भी नियम 93(2) के तहत माना गया था। हालांकि चुनाव आयोग ने कहा था कि इस नियम में इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड शामिल नहीं है। इस अस्पष्टता को दूर करने के लिए नियम में बदलाव किया गया है।

इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड पब्लिक करने का नियम नहीं

चुनाव आयोग ने बताया कि नामांकन फॉर्म, चुनाव एजेंटों की नियुक्ति, चुनाव रिजल्ट और इलेक्शन अकाउंट स्टेटमेंट जैसे दस्तावेजों का उल्लेख कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल में किया गया है। आचार संहिता के दौरान उम्मीदवारों के सीसीटीवी फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इस-के दायरे में नहीं आते हैं। आयोग के एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि पोलिंग स्टेशन की सीसीटीवी कवरेज और वेबकास्टिंग कंडक्ट ऑफ इलेक्शन रूल के तहत नहीं की जाती, बल्कि यह ट्रांसपेरेंसी के लिए होती है। वहीं, आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां नियमों का हवाला देकर इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड मांगे गए। संशोधन यह सुनिश्चित करता है कि नियमों में बताए गए कागजात ही सार्वजनिक हों। अन्य दस्तावेज जिनका नियमों में जिक्र नहीं है, उसे पब्लिक करने की अनुमति न हो।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में धोखाधड़ी सीसीटीवी फुटेज से सामने आई थी

इसी साल जनवरी में चंडीगढ़ मेयर चुनाव में चुनाव अधिकारी के बैलट पेपर से छेड़छाड़ का सीसीटीवी वीडियो सामने आया था। यह चुनाव आप और कांग्रेस ने मिलकर लड़ा था। वोटिंग के बाद चुनाव अधिकारी अनिल मसीह ने रिजल्ट घोषित किया। इसमें भाजपा कैंडिडेट मनोज सोनकर को 16 वोट मिले। वहीं आप-कांग्रेस कैंडिडेट कुलदीप टीटा को 12 वोट मिले। चुनाव अधिकारी ने गठबंधन कैं-डिडेट के 8 वोट इनवैलिड बताए। इस पर आप-कांग्रेस ने आरोप लगाया कि मसीह ने बैलेट पर खुद निशान लगाकर इनवैलिड किया है। मामला सुप्रीम कोर्ट गया।

डल्लेवाल से मुलाकात कर बोलीं सैलजा- उन्हे पूंजीपति दोस्तों की चिंता

नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने खनोरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मुलाकात की। किसान नेता डल्लेवाल 28 दिनों से अनशन पर हैं। सैलजा ने कहा कि यह बहुत अफसोस की बात है कि भाजपा सरकार की तरफ से कोई भी डल्लेवाल को मिलने नहीं आया है। उन्हें किसानों की नहीं बल्कि अपने पूंजीपति दोस्तों की चिंता ज्यादा है। सैलजा ने कहा कि भाजपा ने भारत-पाकिस्तान जैसा माहौल बना दिया गया है, लोग आ-जा नहीं सकते। किसान अपनी आवाज सुनाने के लिए दिल्ली तक नहीं पहुंच सकते।

कुमारी सैलजा ने कहा कि ठंड बढ़ी हुई है, बरसात हो रही है, लेकिन किसान मजबूर होकर यहां बैठा है पर सरकार की तरफ से कोई पहल नहीं है, कोई न्योता नहीं है। किसान की उन्हें कोई चिंता नहीं है। मजदूर और गरीब की भी उन्हें कोई चिंता नहीं है। सैलजा ने कहा कि भाजपा को केवल अपने बड़े धनाढय साथियों की चिंता है। किसानों की समस्याओं को लेकर हम सभी चिंतित हैं पर सरकार का किसानों की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं है। हम सब चाहते हैं कि एमएसपी को कानूनी दर्जा मिले, लेकिन सरकार की ओर से कोई पहल नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने हालात इतने बिगड़ने दिए हैं कि 28 दिन में किसानों का हालचाल पूछने कोई नहीं आया है। कोर्ट क्यों बीच में आता है, कोर्ट को बीच में आना पड़ता है क्योंकि यह सरकार सुनती नहीं, रास्ते रोकती है, हरियाणा-पंजाब बॉर्डर को भारत-पाकिस्तान बनाया हुआ है। किसान अपनी आवाज सुनाने के लिए दिल्ली तक पहुंच नहीं सकते। ऐसे ठंड के मौसम में किसान मजबूर होकर बैठा है।

भागवत के बयान संतों में बढ़ी नाराजगी कहा- धार्मिक मामलों में दखल न दें

नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वसंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत की नसीहत से साधु-संतों की नाराजगी बढ़ गई हैं। साधु-संतों के संगठन अखिल भारतीय संत समिति (एबीएसएस) ने मोहन भागवत की हालिया टिप्पणी पर ना-राजगी जताई और इससे दूर रहने की सलाह दे डाली।

एबीएसएस के महासचिव स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि ऐसे धार्मिक मामलों पर निर्णय धमार्चार्यों को लेना चाहिए, इसमें किसी दूसरे को दखल नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब धर्म का विषय आता है तो उसे धार्मिक गुरुओं को तय करने देना चाहिए, और जो भी वे तय करेंगे उसे संघ और विश्व हिंदू परिषद स्वीकार करेंगे। इससे पहले जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने भी मोहन भागवत के बयान को तुष्टीकरण वाला बताते हुए कहा था कि उन्हें हिंदू धर्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने संघ प्रमुख की आलोचना करते हुए उन

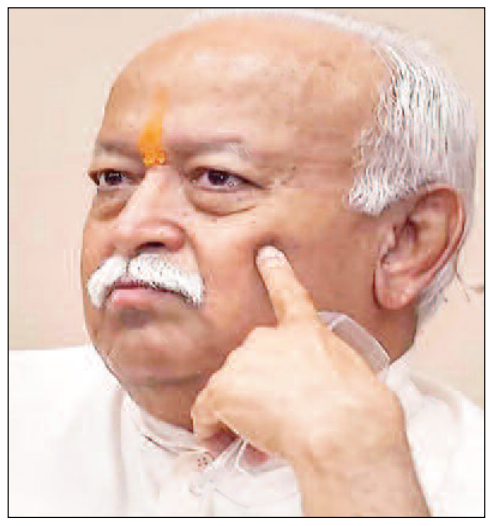

पर राजनीतिक सुविधा के अनुसार बयान देने का आरोप लगाया था। रिपोर्ट के मुताबिक, स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि भागवत पहले भी ऐसे बयान दे चुके हैं और इसके बावजूद 56 नई जगहों पर मंदिर की संरचनाएं पहचानी गई हैं। इससे पता चलता है कि लोगों की इसमें रुचि है। उन्होंने कहा कि धार्मिक संगठन अक्सर जनभावना के आधार पर कार्य करते हैं, न कि राजनीतिक एजेंडे के आधार पर। ऐसा पहली बार हुआ है कि संघ प्रमुख की किसी बात को लेकर धमार्चार्यों और धार्मिक संगठनों ने इतनी तीखी प्रतिक्रिया दी है।

प्रदेश में 23 जनवरी को होंगे निकाय चुनाव, आचार संहिता लागू, पढ़ें ये बड़े अपडेट

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तराखंड के नगर निकायों का चुनाव 23 जनवरी को होंगे। आचार संहिता लागू कर दी गई है। 27 से 30 दिसंबर तक नामांकन होंगे। जबकि मतगणना 25 जनवरी को होगी।

उत्तराखंड के 100 नगर निकायों में 23 जनवरी को चुनाव होंगे। सोमवार को शासन से सहमति के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ने नगर निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी। इसके साथ ही प्रदेश के नगर निकायों में आचार संहिता लागू हो गई है।सोमवार को राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने आयोग कार्यालय में प्रेस वार्ता कर अधिसूचना जारी की। उन्होंने बताया कि राज्य में 107 नगर निकाय हैं, जिनमें से तीन निकायों (बदरीनाथ, गंगोत्री, केदारनाथ) में प्रशासनिक व्यवस्था लागू है। दो नगर निकाय पाटी (चंपावत) और गढ़ीनेगी (ऊधमसिंह नगर) नए बने हैं, जिनका परिसीमन उपलब्ध नहीं है, जिस कारण चुनाव नहीं होगा।दो नगर निकायों किच्छा (ऊधमसिंह नगर) और नरेंद्रनगर (टिहरी) का परिसीमन भी आयोग को उपलब्ध नहीं हुआ है। लिहाजा, सात नगर निकायों में चुनाव नहीं होंगे। 100 निकायों (11 नगर निगम, 43 नगर पालिका, 46 नगर पंचायतों) में यह चुनाव कराया जा रहा है।

आतिशी के खिलाफ अलका लांबा को उतारने की तैयारी में कांग्रेस, जल्द जारी होगी दूसरी सूची

नई दिल्ली

कांग्रेस दिल्ली विधानसभा चुनाव में कालकाजी सीट से मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ अलका लांबा को उतारने की तैयारी है। सूत्रों ने बताया कि उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी जल्द ही 28 और उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी। कांग्रेस ने माह के शुरूआत में दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए 21 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी। इस सूची में कांग्रेस ने बादली से दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव को मैदान में उतारा है।

पूर्व लोकसभा सदस्य और तीन बार की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे, संदीप दीक्षित को नई दिल्ली से मैदान में उतारा गया है, उनका सामना आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से होगा हैं।

कांग्रेस ने दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री हारून यूसुफ को बल्लीमारान, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार को पटपड़गंज और राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक को वजीरपुर से उतारा है। पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के पौत्र आदर्श शास्त्री को द्वारका से उम्मीदवार बनाया गया है। पिछले दिनों आप छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए विधायक अब्दुल रहमान को उनके वर्तमान क्षेत्र सीलमपुर से चुनावी मैदान में उतारा

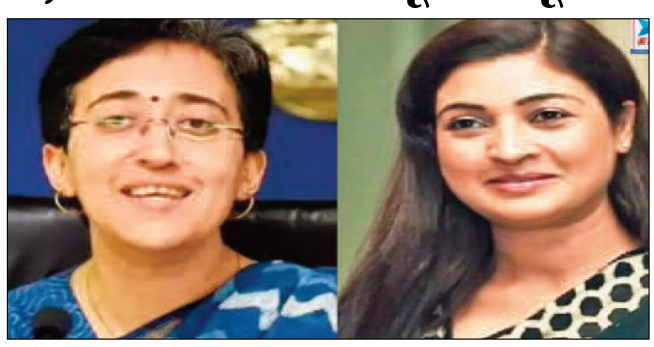

पूर्व लोकसभा सदस्य और तीन बार की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के बेटे, संदीप दीक्षित को नई दिल्ली से मैदान में उतारा गया है, उनका सामना आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से होगा हैं।

गया है। अनिल भारद्वाज को सदर बाजार, मुदित अग्रवाल को चांदनी चौक, जय किशन को सुल्तानपुर माजरा और अली मेहदी को मुस्तफाबाद से उतारा है। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति (सीईसी) ने इन 21 उम्मीदवारों के नामों को मंजूरी प्रदान की थी। दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा के लिए चुनाव अगले साल फरवरी में होने की संभावना है।

अजित पवार की नाराजगी के चलते, छगन भुजबल को केंद्र में मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पद नहीं मिलने से नाराज एनसीपी नेता छगन भुजबल को केंद्र बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। इस बात के संकेत खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दिए हैं। मुख्यमंत्री ने पुणे में कहा कि भुजबल को राष्ट्रीय स्तर पर भेजने की चर्चा जारी है। उन्होंने कहाकि भुजबल ने मुंबई में मुझसे मुलाकात की। वह पहले ही आपको कारण बता चुके हैं कि यह यात्रा क्यों हुई। वह हमारे नेता हैं। अजित पवार, भुजबल साहेब का ध्यान रखते हैं। अजित दादा अपनी पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी बनाना चाहते हैं। इसलिए भुजबल साहेब को राष्ट्रीय मंच पर भेजने पर बातचीत हुई। महाराष्ट्र के कई हिस्सों से आए ओबीसी संगठनों के कुछ प्रतिनिधियों ने रविवार को यहां भुजबल से मुलाकात की थी।

वहीं दूसरी तरफ महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और छगन भुजबल के बीच हुई बैठक पर अजित पवार का रुख सामने आया है। अजित पवार ने छगन भुजबल की नाराजगी को पार्टी का अंदरूनी मामला बताया है। साथ ही उन्होंने संकेत दिया है कि इस मामले में भाजपा की दखलअंदाजी उन्हें पसंद नहीं आई है। महाराष्ट्र सरकार में डिप्टी सीएम अजित पवार ने छगन भुजबल की शिकायत को लेकर भी बात की। उन्होंने कहाकि यह एनसीपी का अंदरूनी मामला है और हम इससे अपने तरीके से निपटेंगे।

गौरतलब है कि छगन भुजबल ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी, जिन्होंने उनके लिए

राष्ट्रीय मंच की बात कही थी। वहीं, कुछ लोगों ने यह भी कहा था कि नाराज छगन भुजबल, भाजपा का रुख कर सकते हैं। छगन भुजबल महाराष्ट्र में नई महायुति सरकार में शामिल नहीं किए जाने से नाराज बताए जा रहे हैं। इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद भुजबल ने कहाकि उन्होंने राज्य के राजनीतिक तथा सामाजिक माहौल पर मुख्यमंत्री के साथ विस्तार से चर्चा की। छगन भुजबल ने कहाकि फडणवीस ने मुझे बताया कि अन्य पिछड़ा वर्गों ने विधानसभा चुनाव में महायुति की शानदार जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और वह इस बात का ख्याल रखेंगे कि ओबीसी समुदाय के हित प्रभावित नहीं हों। उन्होंने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ने ओबीसी से जुड़े मुद्दों पर विचार के लिए कुछ समय मांगा है। राकांपा नेता ने कहाकि फडणवीस ने कहा कि वह 10-12 दिन में कोई फैसला लेंगे।

संपादकीय

मर्ज का फर्ज

सर्वविदित है कि देश की विशाल आबादी पर चिकित्सकों की उपलब्धता वैश्विक मानकों के अनुरूप नहीं है। यूनेस्को कई बार बता चुका है कि भारत के कई स्थानों पर एक हजार व्यक्तियों पर एक चिकित्सक भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यदि देश के कई मेडिकल कॉलेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में सीटें खाली रह जाएं तो इसे देश के लिये विडंबना ही कहा जाएगा। इस ज्वलंत मुद्दे पर देश की शीर्ष अदालत ने संज्ञान लेते हुए निर्देश दिए कि इस माह के अंत तक देश के सभी मेडिकल कालेजों के चिकित्सा पाठ्यक्रमों में रिक्त पड़ी सीटों को तुरंत भरा जाए। जाहिर है जब देश में पहले से ही डॉक्टरों के कमी है तो ये सीटें क्यों खराब की जा रही हैं? निश्चित रूप से समाज के अंतिम व्यक्ति को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने में शीर्ष अदालत की यह पहल बदलावकारी साबित हो सकती है। देश में चिकित्सकों की कमी को देखते हुए पिछले दिनों बड़ी संख्या में नये मेडिकल कालेज खोले गए हैं, लेकिन इनमें सीटों की संख्या दुगनी हो जाने के बाद भी डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। वैसे निजी अस्पतालों में तो डॉक्टरों की कमी नहीं है, लेकिन सार्वजनिक अस्पतालों व डिस्पेंसरियों में डॉक्टरों की कमी बराबर बनी रहती है। खासकर ग्रामीण इलाकों में तो स्थिति बहुत खराब है। यही वजह है कि देश के बड़े चिकित्सा संस्थानों मसलन एम्स व पीजीआईएमईआर जैसे संस्थान मरीजों के दबाव से चरमरा रहे हैं। साथ ही चिकित्सक बेहद दबाव में काम कर रहे हैं। यह सुखद ही है कि देश की शीर्ष अदालत ने इस संकट की गंभीरता को महसूस करते हुए निर्देश दिए हैं कि इस महीने के अंत तक काउंसलिंग करा कर उन सीटों को तुरंत भरा जाए। निश्चित रूप से इस पहल से देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को संबल मिल सकेगा। निस्संदेह, यह तार्किक है कि चिकित्सा पाठ्यक्रम में दाखिले को लेकर देश में भारी मारामारी है। इसकी वजह यह है कि मेडिकल की पढ़ाई के बाद कमोबेश रोजगार पाना गारंटी जैसी होता है। उनके लिये विदेशों में भो रोजगार के आकर्षक अवसर होते हैं। अन्यथा निजी अस्पताल खोलकर भी वे अपना शानदार करिअर बना सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ा सवाल हमारे गांवों में चिकित्सा सुविधाओं के नितांत अभाव का होना है। ऐसा नहीं है कि इस चुनौतीपूर्ण स्थिति का सरकार को भान नहीं है। सरकार भी मानती है कि देश के ग्रामीण इलाकों के अस्पतालों अथवा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता तो दूर सामान्य डॉक्टरों की मौजूदगी भी कम ही है। इस संकट का समाधान तभी संभव है जब देश में अधिक मेडिकल कालेज खुलें और उनकी सभी सीटों को भरा जाए। वहीं दूसरी ओर डॉक्टरों को ग्रामीण इलाकों में काम करने के लिये प्रेरित किया जाए। उन्हें वेतन तथा प्रोन्नति के विशेष अवसर दिए जाएं। अनिवार्य रूप से तय किया जाए कि मेडिकल कालेजों से निकलने वाले चिकित्सक कुछ प्रारंभिक वर्षों तक ग्रामीण क्षेत्रों में अपनी सेवाएं दें। इस बात पर मंथन किया जाना चाहिए कि विगत में हुए ऐसे प्रयास क्यों सिरे नहीं चढ़ पाए। इसके अलावा दुनिया के अनेक देशों से मेडिकल की पढ़ाई करके आने वाले डॉक्टरों को आवश्यक अर्हताएं पूरी करने पर डॉक्टरी करने की सुविधा प्रदान की जाए। किसी भी लोक कल्याणकारी सरकार का दायित्व बनता है कि गरीबी की रेखा के नीचे रहने वाले तथा कमजोर वर्गों के लोगों को सस्ती चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करायी जाएं। ये लोग महंगे निजी अस्पतालों की चौखट तक पहुंचने की क्षमता नहीं रखते। सरकार ने आयुष्मान योजना जैसी कई पहल तो की हैं, लेकिन ध्यान रखना जरूरी है कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन में व्यवस्थागत दिक्कतें पैदा न हों। सरकारों का नैतिक दायित्व बनता है कि हाशिये के समाज को सस्ती व सहज रूप से चिकित्सा सुविधाएं मिल सकें। उन्हें विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता का भी लाभ मिल सके। साथ ही नीति-नियंताओं के लिये यह आत्ममंथन का विषय है कि देश चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में नई खोजों व अनुसंधान में पीछे क्यों रह गया है। साथ ही देश की परंपरागत चिकित्सा पद्धतियों को प्रोत्साहन भी जरूरी है।

(चिंतन-मनन)

ध्यान की तरंग

यहूदियों में एक कथा है कि जब कोई बच्चा पैदा होता है, तो देवता आते हैं और उस बच्चे के सिर पर हाथ फेरते हैं; ताकि वह भूल जाए उस सुख को, जो सुख परमात्मा के घर उसने जाना था, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी-दयावश ऐसा करते हैं वे, नहीं तो जिंदगी बड़ी कठिन हो जाएगी। अगर वह सुख याद रहे, तो बड़ी कठिन हो जाएगी जिंदगी, तुलना में। तुम फिर कुछ भी करो, व्यर्थ मालूम पड़ेगा। धन कमाओ, पद कमाओ, सुंदर से सुंदर पत्नी और पति ले आओ, अच्छे से अच्छे बच्चे हों, बड़ा मकान हो, कार हो, कुछ भी सार न मालूम पड़ेगा, अगर वह सुख याद रहे। तो यहूदी कथा कहती है कि एक देवता उतरता है करूणावश और हर बच्चे के माथे पर सिर्फ हाथ फेर देता है। उस हाथ के फेरते ही पर्दा बंद हो जाता है, उसे भूल जाता है परमात्मा। सुख भूल गया, फिर यह जीवन के दुखों में ही सोचने लगता है, सुख होगा। उस पर्दे को फिर से खोलना है, जो देवताओं ने बंद कर दिया है। मुझे तो नहीं लगता कि कोई देवता बंद करते हैं। देवता ऍसी मूढ़ता नहीं कर सकते। लेकिन समाज बंद कर देता है। शायद कहानी उसी की सूचना दे रही है। मां-बाप, परिवार, समाज, स्कूल बंद कर देते हैं, पर्दे को डाल देते हैं।

महान राष्ट्र-सपूतों में अग्रणी थे अटल बिहारी वाजपेयी

–ललित गर्ग–

भारतीय राजनीति का महानायक, भारतीय जनता पार्टी के दिग्गज नेता, भारत रत्न, प्रखर कवि, वक्ता और पत्रकार श्री अटल विहारी वाजपेयी की जन्म जयंती 25 दिसंबर को भारत सरकार प्रतिवर्ष सुशासन दिवस के रूप में मनाती है। इस वर्ष हम उनका 100वां जन्मोत्सव मना रहे हैं, जिन्होंने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, विचारक एवं समाज सुधारक एवं राष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हुए थे। अटलजी यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये भारत के निमार्ता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने द्दष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं।

तीन बार देश के प्रधानमंत्री रहे अटल विहारी वाजपेयी ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय विदेश मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुद्दढ़ किया। पिछले कई दशकों में वह एक ऐसे नेता के रूप में उभरे जो विश्व के प्रति उदारवादी सोच और लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति प्रतिबद्धता को महत्व देते हैं। वे ऐसे भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं जिस देश की सभ्यता का इतिहास 5000 साल पुराना है और जो अगले हजार वर्षों में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है।

विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे। वाजपेयीजी बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भी प्रभावित थे और उन्होंने कहा था कि अटलजी एक दिन भारत के प्रधानमंत्री जरूर बनेंगे। आज भारतीय जनता पार्टी की मजबूती का जो धरातल बना है, वह उन्हीं की देन है। वे भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक हैं। 1977 में जनता पार्टी सरकार में उन्हें विदेश मंत्री बनाया गया। इस दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ के अधिवेशन में उन्होंने हिंदी में भाषण दिया और वे इसे अपने जीवन का सबसे सुखद क्षण बताते थे। वे संसद में बहुत प्रभावशाली वक्ता के रूप में जाने जाते रहे हैं और महत्वपूर्ण मुद्दे पर उनके भाषण खासे गौर से सुने जाते रहे हैं, जो भारत के संसदीय इतिहास की अमूल्य धरोहर है।

उत्तर प्रदेश में आगरा जनपद के प्राचीन स्थान बटेश्वर के मूल निवासी पण्डित कृष्ण बिहारी वाजपेयी मध्य प्रदेश की ग्वालियर रियासत में अध्यापक थे। वहीं शिन्दे की छावनी में 25 दिसंबर 1924 को ब्रह्ममुहूर्त में उनकी सहधर्मिणी कृष्णा वाजपेयी की कोख से अटलजी का जन्म हुआ था। महात्मा रामचन्द्र वीर द्वारा रचित अमर कृति ह्यविजय पताकाह्न पढ़कर अटलजी के जीवन की दिशा ही बदल गयी। छात्र जीवन से वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने और तभी से राष्ट्रीय स्तर की वाद-विवाद प्रतियोगिताओं में भाग लेते रहे। डॉ॰ श्यामाप्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के निर्देशन में राजनीति का पाठ तो पढ़ा ही, साथ-साथ पाञ्चजन्य, राष्ट्रधर्म, दैनिक स्वदेश और वीर अर्जुन जैसे पत्र-पत्रिकाओं के सम्पादन का कार्य भी कुशलतापूर्वक करते रहे। अटलजी ने किशोर वय में ही एक अद्भुत कविता लिखी थी-हिन्दू तन-मन हिन्दू जीवन, रग-रग हिन्दू मेरा परिचय, जिससे यह पता चलता है कि बचपन से ही उनका रुझान देश हित, राष्ट्रीयता एवं हिन्दुत्व की तरफ था। राजनीति के साथ-साथ समष्टि एवं राष्ट्र के प्रति उनकी वैयक्तिक संवेदनशीलता, जिजीविषा, व्यापक द्दष्टि आद्योपान्त प्रकट होती ही रही है। उनके संघर्षमय जीवन, परिवर्तनशील परिस्थितियाँ, राष्ट्रव्यापी आन्दोलन, जेल-जीवन आदि अनेक आयामों के प्रभाव एवं अनुभूति से जुड़े विचार उनके काव्य में सदैव ही दिखाई देते थे।

अटल विहारी वाजपेयी 16 मई 1996 को पहली बार प्रधानमंत्री बने, लेकिन लोकसभा में बहुमत साबित न कर पाने की वजह से 31 मई 1996 को उन्हें त्यागपत्र देना पड़ा। इसके बाद 1998 तक वे लोकसभा में विपक्ष के नेता रहे। 1999 में हुए चुनाव राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के साझा घोषणापत्र पर लड़े गए और इन चुनावों में वाजपेयी के नेतृत्व को एक प्रमुख मुद्दा बनाया गया। गठबंधन को बहुमत हासिल हुआ और वाजपेयी ने एक बार फिर प्रधानमंत्री की कुर्सी संभाली। एनडीए का नेतृत्व करते हुए मार्च 1998 से मई 2004 तक, छह साल भारत के प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उनकी सरकार ने 11 और 13 मई 1998 को पोखरण में पाँच भूमिगत परमाणु परीक्षण विस्फोट करके भारत को परमाणु शक्ति संपन्न देश घोषित कर दिया। इस कदम से उन्होंने भारत को निर्विवाद रूप से विश्व मानचित्र पर एक सुदृढ वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर दिया। यह सब इतनी गोपनीयता से किया गया कि अति विकसित जासूसी उपग्रहों व तकनीकी से संपन्न पश्चिमी देशों को इसकी भनक तक नहीं लगी। यही नहीं इसके बाद पश्चिमी देशों द्वारा भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाए गए लेकिन वाजपेयी सरकार ने सबका दृढ़तापूर्वक सामना करते हुए आर्थिक विकास की ऊचाइयों को छुआ। वाजपेयीजी ने पडौसी देश पाकिस्तान के साथ रिश्तों को सौहार्दपूर्ण बनाने की द्दष्टि से भी अनेक उपक्रम किये। 19 फरवरी 1999 को सदा-ए-सरहद नाम से दिल्ली से लाहौर तक बस सेवा शुरू की गई। कुछ ही समय पश्चात पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ की शह पर पाकिस्तानी सेना व उग्रवादियों ने कारगिल क्षेत्र में घुसपैठ करके कई पहाड़ी चोटियों पर कब्जा कर लिया। अटल सरकार ने पाकिस्तान की सीमा का उल्लंघन न करने की अंतर्राष्ट्रीय सलाह का सम्मान करते हुए धैर्यपूर्वक किंतु ठोस कार्यवाही करके भारतीय क्षेत्र को मुक्त कराया। अटल विहारी वाजपेयी चाहे प्रधानमन्त्री के पद पर रहे हों या नेता प्रतिपक्ष- बेशक देश की बात हो या क्रान्तिकारियों की, या फिर उनकी अपनी ही कविताओं की, नपी-तुली और बेवाक टिप्पणी करने में अटलजी कभी नहीं चूके। भारत को लेकर उनकी स्वतंत्र सोच एवं द्दष्टि रही है-ऐसा भारत जो भूख, भय, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो। उनकी कविता जंग का ऐलान है, पराजय की प्रस्तावना नहीं। वह हारे हुए सिपाही का नैराश्य-निनाद नहीं, जूझते योद्धा का जय-संकल्प है। वह निराशा का स्वर नहीं, आत्मविश्वास का जयघोष है। उन्होंने विज्ञान की शक्ति को बढ़ावा देने के लिए लाल बहादुर शास्त्री के नारे ह्यजय जवान जय किसानह्न में बदलाव किया और ह्यजय जवान, जय किसान, जय विज्ञानह्न का नारा दिया। वे जितने कद्दावर के राजनीतिज्ञ थे उतने ही गहन आध्यात्मिक भी थे। उन्होंने राजनीतिक समस्याओं के अतिरिक्त धार्मिक तथा सांस्कृतिक विषयों पर भी साधिकार कलम चलाई, एक नई द्दष्टि एवं दिशा दी। इस द्दष्टि से वे एक महान राष्ट्रनायक, साहित्यकार, विचारक, महामनीषी एवं चिन्तक थे।

इस शताब्दी के भारत के ह्यमहान सपूतोंह्न की सूची में कुछ नाम हैं जो अंगुलियों पर गिने जा सकते हैं। अटल विहारी वाजपेयी का नाम प्रथम पंक्ति में होगा। मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे वाजपेयीजी से मिलने के अनेक अवसर मिले, रायसीना हिल पर अणुव्रत आन्दोलन एवं आचार्य तुलसी के कार्यक्रमों के सिलसिले में अनेक बार मिला। प्रधानमंत्री रहते 7 रेडक्रोस रोड पर तीन-चार मुलाकातें हुई। एक बार उनके जन्म दिन पर कृष्णा मेनन मार्ग पर भी उनके दर्शनों का दुर्लभ अवसर मिला। उनमें गजब का अल्हड़पन एवं फक्कड़पन था। वे हमेशा बेपरवाह और निश्चिन्त दिखाई पड़ते थे, प्रायः लोगों से घिरे रहते थे और हंसते-हंसाते रहते थे। उनके जीवन के सारे सिद्धांत मानवीयता एवं राष्ट्रीयता की गहराई ये जुड़े थे और उस पर वे अटल भी रहते थे। किन्तु किसी भी प्रकार की रूढ़ि या पूर्वाग्रह उन्हें छू तक नहीं पाता। वे हर प्रकार से मुक्त स्वभाव के थे और यह मुक्त स्वरूप भीतर की मुक्ति का प्रकट रूप है। भारतीय राजनीति की बड़ी विडम्बना रही है कि आदर्श की बात सबकी जुबान पर है, पर मन में नहीं। उड़ने के लिए आकाश दिखाते हैं पर खड़े होने के लिए जमीन नहीं। दर्पण आज भी सच बोलता है पर सबने मुखौटे लगा रखे हैं। ऐसी निराशा, गिरावट व अनिश्चितता की स्थिति में वाजपेयीजी ने राष्ट्रीय चरित्र, उन्नत जीवन शैली और स्वस्थ राजनीति प्रणाली के लिए बराबर प्रयास किया।

देश के अप्रतिम नेता अटल बिहारी वाजपेयी की विरासत का जश्न

डॉ. सत्यवान सौरभ–

भारत में हर साल 25 दिसम्बर को देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के उपलक्ष्य में सुशासन दिवस मनाया जाता है। पहली बार 2014 में मनाया गया यह दिवस पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन प्रदान करने और यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है कि विकास का लाभ हर नागरिक तक पहुँचे। अटल बिहारी वाजपेयी एक प्रमुख भारतीय राजनेता और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संस्थापक सदस्य थे। अपनी वाक्पटुता और काव्य कौशल के लिए जाने-जाने वाले, उन्हें उनके उदार राजनीतिक विचारों और आम सहमति बनाने के प्रयासों के लिए पार्टी लाइनों से परे सम्मान दिया जाता था। वाजपेयी का राजनीतिक करियर पाँच दशकों से अधिक समय तक चला, जिसके दौरान उन्होंने भारत की घरेलू और विदेश नीतियों को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा के सम्मान में, उन्हें 2015 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। 25 दिसम्बर, 1924 को ग्वालियर, मध्य प्रदेश में जन्मे अटल बिहारी वाजपेयी एक प्रतिष्ठित राजनेता, कवि और वक्ता थे। उन्होंने तीन बार भारत के प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया और देश के विकास पथ पर एक अमिट छाप छोड़ी। उनके कार्यकाल में महत्त्वपूर्ण आर्थिक सुधार, स्वर्णिम चतुर्भुज जैसी बुनियादी ढांचा परियोजनाएँ और भारत की वैश्विक स्थिति में सुधार के प्रयास शामिल थे। वाजपेयी के नेतृत्व की विशेषता लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता थी, जो उनकी जयंती को सुशासन दिवस मनाने का एक उपयुक्त अवसर बनाती है। सुशासन दिवस 2024 न केवल वाजपेयी की विरासत का स्मरण करता है, बल्कि नागरिकों और अधिकारियों से देश के समग्र विकास के लिए पारदर्शी, जवाबदेह और समावेशी शासन को बढ़ावा देने का आग्रह भी करता है। 25 दिसम्बर, 2024 का सुशासन दिवस विशेष महत्त्व रखता है क्योंकि यह अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती है। इस मील के पत्थर को मनाने के लिए, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग ने 19 से 24 दिसम्बर, 2024 तक चलने वाले 'प्रशासन गाँव की ओर' नामक एक सप्ताह के अभियान की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य शासन को जमीनी स्तर पर लाना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रशासनिक सेवाएँ ग्रामीण आबादी तक पहुँच सकें। सुशासन दिवस पारदर्शी, जवाबदेह और लोगों की जरूरतों के प्रति उत्तरदायी शासन के महत्त्व की याद दिलाता है। सुशासन सार्वजनिक संसाधनों और संस्थानों को ईमानदारी और निष्पक्ष रूप से, भ्रष्टाचार या सत्ता के दुरुपयोग के बिना प्रबंधित करने की एक प्रक्रिया है। यह सुनिश्चित करता है कि कानूनों का पालन किया जाए, मानवाधिकारों की रक्षा की जाए और समाज की जरूरतों को पूरा किया जाए। इसका उद्देश्य नागरिकों की प्रभावी रूप से सेवा करने और शासन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की ज़िम्मेदारी के बारे में लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाना है। भारतीय राजनीति में उनके योगदान और पारदर्शी और जवाबदेह सरकार के लिए उनके द्दष्टिकोण को मान्यता देना। जागरूकता को बढ़ावा देना, नागरिकों को सुशासन के महत्त्व और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भूमिका के बारे में शिक्षित करना। जनता की प्रभावी और नैतिक रूप से सेवा करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करना। इसे किसी संगठन या समाज के भीतर निर्णय लेने और लागू करने की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। शासन केवल व्यवस्था बनाए रखने के लिए ही आवश्यक नहीं है; यह उद्देश्यों को प्राप्त करने और समुदाय या समूह की आवश्यकताओं को सम्बोधित करने में भी मदद करता है। विश्व बैंक के अनुसार, सुशासन ₹वह तरीका है जिसमें विकास के लिए किसी देश के आर्थिक और सामाजिक संसाधनों के प्रबंधन में शक्ति का प्रयोग किया जाता है₹। संस्थाओं को इस तरह से संचालित होना चाहिए कि दूसरों के लिए यह देखना आसान हो कि क्या कार्य किए जा रहे हैं। यह भ्रष्ट आचरण को भी रोकता है। शासक वर्ग को लोगों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। इससे लोगों और पूरे समाज की बेहतरी सुनिश्चित होगी। शासी संस्थाओं को लोगों की चिंताओं के प्रति संवेदनशील होना चाहिए और उचित समय के भीतर उनकी जरूरतों को पूरा करना चाहिए। समाज के सभी वर्गों के लोगों को बिना किसी भेदभाव के सुधार के लिए समान अवसर प्रदान किए जाने चाहिए। निर्णय समाज के एक बड़े वर्ग की सहमति से लिए जाने चाहिए, ताकि यह किसी के लिए हानिकारक न हो। उपलब्ध संसाधनों का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाना चाहिए ताकि ऐसे परिणाम प्राप्त हों जो उनके समुदाय की आवश्यकताओं को पूरा करें। प्रत्येक व्यक्ति के अधिकारों को बनाए रखने के लिए कानूनी ढांचे को निष्पक्ष तरीके से लागू किया जाना चाहिए। समाज के लोगों को वैध संगठनों या प्रतिनिधियों के माध्यम से अपनी राय व्यक्त करने में सक्षम होना चाहिए। इसमें कमजोर और पिछड़े समूह भी शामिल हैं। सुशासन प्रथाएँ जनता के हितों को बनाए रखने में मदद करती हैं। सुशासन किसी संगठन को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करने के लिए मौजूदा संसाधनों का इष्टतम और कुशल उपयोग करने में सक्षम बनाता है। सुशासन प्रथाएँ शक्ति और पद के अत्यधिक उपयोग के विरुद्ध जाँच और संतुलन भी सुनिश्चित करती हैं। शासन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी तभी प्राप्त की जा सकती है जब सुशासन प्रथाओं को लागू किया जाए।

सुशासन दिवस विभिन्न पहलों के माध्यम से नैतिक शासन, पारदर्शिता और नागरिक भागीदारी पर जोर देता है। इन पहलों का उद्देश्य प्रशासन को अधिक कुशल, जवाबदेह और नागरिक-केंद्रित बनाना है। ई-गवर्नेंस, डिजिटल साक्षरता और सरकारी सेवाओं तक निर्बाध पहुँच को बढ़ावा देता है। नागरिकों को सार्वजनिक सूचना तक पहुँचने के लिए सशक्त बनाकर पारदर्शिता सुनिश्चित करता है। सरकारी परियोजनाओं पर प्रतिक्रिया प्रदान करके नीति निर्माण मीं नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। पूरे भारत में स्वच्छता, सफाई और अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार पर ध्यान केंद्रित करता है। लाभार्थियों को सीधे सब्सिडी हस्तांतरित करता है, भ्रष्टाचार को कम करता है और लक्षित वितरण सुनिश्चित करता है। कुशल शासन के लिए देरी को सम्बोधित करते हुए सरकारी परियोजनाओं के समय पर निष्पादन की निगरानी करता है।

नफरत से दूर रहे अटल बिहारी

–राकेश अचल–

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में लिखना एक रिवायत जैसा है। वे भाजपा के जवाहर लाल नेहरू थे, उदार, उदात्त अध्ययनशील, स्वप्नद्दष्टा । नेताओं के मामले भाजपा दूसरे दलों के मुकाबले बहुत कंगाल है। भाजपा के पास ले-देकर एक अटल बिहारी वाजपेयी है जिनका सहारा लेकर भाजपा समाज में खड़ी होकर कोई बात कर सकती है, अन्यथा भाजपा का हर चेहरा विद्रूप दिखाई देता है। पिछले एक दशक में भाजपा के अनेक नेताओं ने अटल बिहारी वाजपेयी छाप नेतागीरी करने की कोशिश की थी किन्तु मोदी युगमें ये छाप धूमिल पड़ गयी।

अटल जी के बारे में लिखते हुए न जाने क्यों ऐसा लगता है कि मै परिवार के किसी बुजुर्ग के बारे में लिख रहा हूँ। अटल जी को मैंने तब से देखा और जाना है जब से मै ग्वालियर आया था। बात 1972 की है, जब मैंने पहली बार अटल जी को देखा और सुना था। बाद के दिनों में वे देश के विदेशमंत्री भी बने और प्रधानमंत्री भी, लेकिन वे हमेशा ही हमारे अपने अटल जी बने रहे। अटल जी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से दीक्षित कार्यकर्ता थे। उनके भीतर भी हिंदुत्व और महात्मा गाँधी, जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ नफरत के बीज बोये गए थे, किन्तु उन्होंने प्रयत्नपूर्वक अपने भीतर विषबेल को फैलने नहीं दिया।

अटल जी यदि जीवित होते तो आज हम सब उनका शताब्दी समारोह मना रहे होते। शताब्दी समारोह तो हम आज भी मना रहे हैं लेकिन उसमें अटल जी के अनुशरण का कोई संकल्प दूर-दूर तक नहीं दिखाई दे रहा। अटल जी ने 1957 में पहली बार लोकसभा में कदम रखा था। उन्होंने देश के लगभग सभी प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया लेंकिन वे हमेशा लोकसभा में नायक बने रहे, खलनायक नहीं। उनके खिलाफ कभी भी वैसा शोर शराबा नहीं हुआ जैसा की पिछले दस सालों में मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र दामोदर दास यदि के भाषणों के बीच होता है। अटल जी को सुनना एक अनूठा अनुभव होता था। उनके भाषणों में पांडित्य साफ झलकता था। उनकी भाव मुद्राएं अनुपम थीं। उनके व्यंग्य में हास्य भी ऐसा होता था कि विरोधी भी खिलखिलाकर हंस देते थे।

ग्वालियरवासी होने के नाते मुझे पत्रकार के रूप में, एक साहित्यसेवी के रूप में उनके निकट रहने और उनसे संवाद करने के अनेकाएक अवसर मिले, इसलिए मैं अधिकारपूर्वक कह सकता हूँ कि उनके जैसा अध्येता, प्रवाचक और दूर द्दष्टा नेता भाजपा में कोई दूसरा है ही नहीं। अटल जी कि साथ सियासत में आये लालकृष्ण आडवाणी भी नहीं। आडवाणी जी संघ के दीक्षित स्वयंसेवक हैं, जनसंघ और भाजपा के संस्थापक है। अयोध्या में बाबरी ध्वंश कि खलनायक हैं लेकिन अटल जी केवल और केवल नायक हैं। वे खलनायक बनाये ही नहीं जा सके। विपक्ष भी उन्हें खलनायक नहीं बना सका।

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कभी अपनी गरीबी का रोना नहीं रोया। वे कभी भी एक विपक्ष के नेता कि रूप में, एक प्रधानमंत्री के रूप में स्थापित लक्ष्मण रेखाओं के पार नहीं गए। वे जब तक जीवित रहे, सक्रिय रहे [अंतिम दिनों को छोड़कर]। मुझे अटल जी जितने एक राजनेता के रूप में प्रिय थे उससे ज्यादा एक कवि के रूप में प्रिय थे। चूंकि मै राजनीति में नहीं रहा इसलिए उनके साथ काम करने का अवसर मुझे नहीं मिला लेकिन एक कवि के रूप में मुझे अटल जी को सुनने और अपनी कविताएं सुनाने के अवसर अनेक मिले। अटल जी की पढंत सबसे अलग थी। उनकी पढ़न्त की छाप उनके धुर विरोधी विचारधारा के ग्वालियर के मूर्धन्य कवि स्वर्गीय मुकुट बिहारी सरोज से लेकर जयंती अग्रवाल के ऊपर तक थी। लोग अटल जी को केवल राजनीति में ही नहीं बल्कि एक साहित्यकार के रूप में भी फॉलो करते थे।

अटल जी ने हमेशा जोड़ने की बात की। वे सबका साथ, सबका विकास या अच्छे दिन आएंगे का नारा दिए बिना सबको साथ लेकर चलते रहे। उन्होंने कभी खुलकर हिन्दू-मुसलमान नहीं किया। उन्होंने कभी मोहन भागवत की तरह ज्यादा बच्चे पैदा करो जैसे आव्हान भी देश की जनता से नहीं किये। अटल जी ने पड़ौसियों से रिश्ते सुधारने की हर सम्भव कोशिश की। उन्हें इस कोशिश में भारत के पुश्तैनी शत्रु पकिस्तान से धोखा भी मिला जिसकी परिणति कारगिल युद्ध के रूप में हुई। अटल जी अपने राजनीतिक जीवन में अनेक बार टूटे लेकिन बिखरे कभी नही। वे तब टूटे जब उनकी पहली सरकार 13 दिन में गिरी। वे तब भी टूटे जब उन्हें 13 महीने में गद्दी छोड़ना पड़ी। वे सबसे ज्यादा तब टूटे जब उन्हें अपने ही शहर ग्वालियर में लोकसभा चुनाव 1984 में पराजय का सामना करना पड़ा।

ग्वालियर वासी होने के नाते मुझे हमेशा ये शिकायत रही कि उन्होंने जितना अपनी कर्मभूमि लखनऊ के लिए किया उतना अपनी जन्मभूमि ग्वालियर के लिए नहीं किया। ग्वालियर से मिली हार को वे आजीवन पचा नहीं पाए। एक प्रधानमंत्री के रूप में पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद सबसे जयादा लोकप्रिय प्रधानमंत्री अटल जी ही थे। श्रीमती इंदिरा गाँधी की लोकप्रियता भी बेमिसाल थी, लेकिन अटल जी जैसी नहीं थी। वे साहित्यकार नहीं थीं। विनोदी भी कम ही थीं। । अटल जी ने एक प्रधानमंत्री के रूप में देश को परमाणु शक्ति सम्पन्न देश बनाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने श्रीमती इंदिरा गाँधी के अधूरे काम को आगे बढ़ाया। अटल जी ने कभी भी पंडित जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गाँधी या राजीव गाँधी की सरकार को पानी पी-पीकर नहीं कोसा। उन्होंने कभी गैर भाजपाई प्रधानमंत्रियों को खलनायक नहीं कहा।

अटल जी को हमेशा आरएसएस का मुखौटा कहा जाता था, क्योंकि वे संघ के स्वयं सेवक होते हुए भी उदारता की झीनी चादर ओढ़कर सियासत में सक्रिय रहे। अटल जी के भीतर झांकें तो वहां आपको एक मोदी छिपा मिल जाएगा लेकिन वे मोदी की तरह उग्र हिन्दू नहीं थे। वे समावेशी था। गंगा-जमुनी संस्कृति का अर्थ और महत्व जानते थे। वे अक्सर कहते थे कि भारत को लेकर मेरी एक द्दष्टि है- ऐसा भारत जो भूख, भय, निरक्षरता और अभाव से मुक्त हो। उन्होंने कभी चुनावों में सावरकर का नाम नहीं लिया हालाँकि वे कहते थे कि क्रान्तिकारियों के साथ हमने न्याय नहीं किया, देशवासी महान क्रान्तिकारियों को भूल रहे हैं, आजादी के बाद अहिंसा के अतिरेक के कारण यह सब हुआ। अपनी रचनाधर्मिता को लेकर उनका हमेशा कहना रहा कि मेरी कविता जंग का ऐलान है, पराजय की प्रस्तावना नहीं। वह हारे हुए सिपाही का नैराश्य-निनाद नहीं, जूझते योद्धा का जय-संकल्प है। वह निराशा का स्वर नहीं, आत्मविश्वास का जयघोष है।

मै अटल जी को एक हीरो के रूप में देखता हूँ जबकि उनकी और उनकी पार्टी की विचारधारा से मेरा विरोध सनातन रहा। उन्हें ग्वालियर के मेले में बिना सघन सुरक्षा के घुमते हुए, मूंगफलियां कहते हुए, विनोद करते हुए याद करते हुए मेरा मन आज भी पुलकित होता है।

मुझे उनकी हथेलियों की कोमलता और स्निग्ध मुस्कान आज भी याद है। वे अपनी शादी के बारे में पूछे जाने पर कैसे शमार्ते थे मै भूला नहीं हूँ। आप अटल सरकार की उपलब्धियों के बारे में गूगल सर्च का सकते हैं लेकिन उनके मानवीय गुणों के बारे में जो मै लिख रहा हों वो आपको शायद ही कहीं और पढ़ने को मिले। अटल जी की जन्मसदी के मौके पर मै उन्हें विनम्रता पूर्वक याद करते हुए कामना करता हूँ कि वो आरएसएस को मोदी जी जैसे नहीं अटल जी जैसे नेता दे।

नगर स्थानीय निकाय सामान्य-2024 की व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा बैठक हुई

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में नागर स्थानीय निकाय सामान्य-2024 की व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा बैठक हुई।

बैठक में नागर निकाय स्थानीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2024 की विभिन्न व्यवस्थाओं को समुचित रूप से सम्पन्न कराने हेतु नोडल प्रभारी, अधिकारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारी के रूप में करते हुए सम्बंधित अधिकारी को दिशा निर्देश दिए कि अपनी व्यवस्था सुचारू रूप से सम्पादित कराने तैयारी सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने सम्बंधित रिर्टनिंग अधिकारियों को सौपें गये दायित्वों के सम्बंध में विस्तृत रूप से जानकारी ली, उन्होंने परियोजना निदेशक/नोडल प्रशिक्षण के.एन तिवारी को प्रशिक्षण दिए जाने के, जिला अर्थ संख्या अधिकारी नलिनी ध्यानी से अपने ही कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित करने के,

निर्वाचन व्यय लेखा परिक्षण करने, कार्मिक व्यवस्था, निर्वाचन सामग्री, डाक मत पत्र व्यवस्था, रूट चार्ट, मतदाता सूची, जलपान भोजन व्यवस्था, कंट्रोल रूम और मतदेय स्थल निर्माण मतपेटी व्यवस्था, मतदान सम्बंधी प्रपत्र, खानपान, वाहन एवं ईंधन पूर्ति ने तैयार पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी चुनावों की तैयारियों को लेकर किसी भी तरीके से लापरवाही ना बरती जाए, साथ ही रिटर्निंग ऑफिसर एवं अस्टिटेंट रिटर्निंग ऑफिसर को नामांकन के लिए जो भी महत्वपूर्ण सूचनाएं हो वो दस्तावेज की जानकारी सूचना पट पर लगा दे ताकि जो व्यक्ति नामांकन के लिए आए तो उसकी जानकारी आसानी से मिल जाए। बैठक में अपर जिलाधिकारी दीपेंद्र सिंह नेगी, परियोजना निदेशक केएन तिवारी, नगर आयुक्त रुड़की राकेश चंद्र तिवारी, डीपीआरओ अतुल प्रताप सिंह, डीडीओ वेदप्रकाश, जिला अर्थ संख्या अधिकारी नलिनी ध्यानी, अपर जिला अर्थ संख्याधिकारी सुभाष शाक्य, डीएसओ तेजबल सिंह, ईई पीडब्लूड़ी दीपक कुमार, आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, महाप्रबंक जिला उद्योग केंद्र उत्तम कुमार तिवारी सहित सभी सम्बंधित अधिकारी मौजूद थे।

जुआ खेलते हुए 05 जुआरियों को हरिद्वार पुलिस ने धर दबोचा

मौके से तास की गड्डी व नगदी बरामद

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा जनपद में अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों/ संदिग्ध व्यक्तियों/ असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाए जाने हेतु सभी थाना प्रभारियों कों निर्देशित किया गया था। जिसके अनुपालन में कोतवाली लक्सर पुलिस द्वारा दिनांक 23.12.24 को चैकिंग के दौरान 05 व्यक्तियों को सुल्तानपुर क्षेत्र से जुआ खेलते हुये मय नगदी व तास के पत्तों के दबोच लिया । पकडें गये आरोपियों के विरुद्ध कोतवाली लक्सर पर गेम्लिंग एक्ट में अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है '

नाम पता आरोपी

1-समीम s/o सगीर निवासी धनपुरा थाना पथरी जनपद हरिद्वार।

2-अय्यूब S/O याकूब निवासी सुल्तानपुर थाना लक्सर हरिद्वार।

3-अलीमs/o इरफान निवासी ग्राम बसेडी खादर थाना लक्सर हरिद्वार।

4- वकील s/o जमील निवासी ग्राम खडण्जा ढर लक्सर हरिद्वार।

5-मेहरबान s/o नूर हसन निवासी ग्राम खडण्जा ढर लक्सर।

एसएसपी हरिद्वार के निर्देशन में पुलिस नशे के विरुध्द गाँव-गाँव, स्कूल-स्कूल चला रही जागरूकता कार्यक्रम

- लक्सर पुलिस ने राजकीय इण्टर कॉलेज निरंजनपुर रायसी में आयोजित किया पाठशाला
- जिन्दगी को हाँ नशे को ना के तहत लोगों को दिलाई गई शपथ

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड के द्वारा उत्तराखंड को ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 बनाने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा जागरूकता अभियान चलाने हेतु सभी को निर्देशित किया गया है। दिनांक 24.12.2024 को लक्सर कोतवाली पुलिस द्वारा राजकीय इण्टर कालेज निरंजनपुर रायसी लक्सर में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नशे की रोकथाम के सम्बन्ध में स्कूली बच्चों के साथ चर्चा की गई। साथ ही गाँवों में नशा करने वाले व्यक्तियों की काउंसलिंग कर उन्हें नशा मुक्त करने व नशा बेचने वाले व्यक्तियों की सूचना पुलिस को देने के सम्बन्ध में भी अवगत कराया गया। नशे से पीड़ित व्यक्तियों की काउंसलिंग एवं उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोडने के सम्बन्ध में जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त छात्र छात्राओं को गौराशक्ति एप्प, साइबर क्राइम तथा यातायात सुरक्षा के सम्बन्ध में भी विस्तृत जानकारी दी गयी।

शिक्षा सदन इण्टर कॉलेज मेहवड कलां पहुंची AHTU

मानव तस्करी, मानव दुव्यार्पार अपराध के प्रति जागरूक छात्रों को लिया जागरूक

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन व पुलिस उपाधीक्षक नगर/नोडल AHTU के पर्यवेक्षण में AHTU टीम द्वारा लगातार स्कूल/कॉलेजों में जाकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

इसी क्रम में आज दिनांक 24/12/2024 को जनपद हरिद्वार की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट द्वारा कलियर क्षेत्र में मेहवड कलां के शिक्षा सदन इण्टर कॉलेज के छात्र छात्राओ को जागरूक करते हुए मानव तस्करी/मानव दुव्यार्पार/साइबर क्राइम/यातयात नियम/ उत्तराखंड पुलिस ऐप एवं 112, 1930, की जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। मानव तस्करी को परिभाषित करते हुए इसके कारण एवं समाधान की जानकारी देते हुए बताया कि यह अपराध हमारे समाज में एक बहुत बड़ी चुनौती है जिसको हमें जड़ से उखाड़कर फेंकना है साथ ही छात्रों को यातयात के संबंध में जानकारी देते हुए यातयात के नियमों का पालन करने हेतु जागरूकता किया गया।

साथ ही साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए अपनी व्यक्तिगत जानकारी जैसे अपना आधार नंबर/बैंक अकाउंट नंबर/पेन नंबर ओटीपी/ATM पिन आदि जानकारी अन्य किसी अनजान व्यक्ति को साझा न करने व किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने हेतु बताया गया टीम द्वारा छात्र छात्राओ को टोल फ्री नंबर 112/1930 जानकारी भी दी गई।

लोहे का पुल बनाने की क्षेत्र वासियों की मांग

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार/ ब्रह्मपुरी स्थित नगर कोतवाली के पीछे के इलाके में रहने वाले लोगों ने पूर्व में बने पुल की तरह लोहे का पुल यथा स्थान बनाने की मांग की है क्योंकि क्षेत्र वासियों को 2 किलोमीटर का चक्कर काट कर अपने काम के लिए जाना पड़ता है जब रेलवे द्वारा वहां लोहे का पुल बनाया गया था तो लोगों का जीवन आसान था किंतु पुल हटाये

जाने के बाद क्षेत्र के लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है क्षेत्रवासी रेलवे लाइन के ऊपर से पूर्व की तरह यथास्थान पुल बनाये जाने की मांग को लेकर कई बार प्रदर्शन हो चुका है और क्षेत्रवासी प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री रेल मंत्री को पत्र भेजकर क्षेत्र वासियों की समस्या से अवगत कराया इस अवसर पर आरती बिष्ट तीर्थ आहूजा प्रमिला शीला गुड्डी भदोरिया कैलाश जोशी रानी आहूजा हंसी नेगी जितेंद्र पांडे अंकित कोरी लक्ष्मी प्रसाद मुकेश कांता रानी शिव प्रेम जयेंद्र कश्यप अनूप मुनेश रेनू गाइन गीत विजय गुजराती दिनेश गुजराती आदि आनेको लोगों के हस्ताक्षर युक्त पत्र माननीय मदन कौशिक को भेजा गया तथा क्षेत्र वासियों की समस्या से उन्हें अवगत कराते हुए क्षेत्र वासियों को इस समस्या से निजात दिलाने की मांग की विशेष रिपोर्टिंग परवीन कश्यप

FDX डांस क्लास के संचालक को हरिद्वार पुलिस ने धर दबोचा

नाबालिक लड़की/उसकी दोस्त के साथ दुष्कर्म, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने के संबंध में किया गया था अभियोग पंजीकृत

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

दिनांक 22/12/2024 को वादी काल्पनिक नाम मोहन कोतवाली ज्वालापुर हरिद्वार ने लिखित तहरीर दी कि उसकी नाबालिग लड़की व उसकी सहेली के साथ आरोपी आशीष सिंह उर्फ आशु पुत्र स्वर्गीय रमेश चंद्र सिंह निवासी गोविंदपुरी रटखठ वाली गली कोतवाली ज्वालापुर हरिद्वार के द्वारा दुष्कर्म कर जान से मारने की धमकी देने के संबंध में कोतवाली ज्वालापुर पर अभियोग पंजीकृत किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा तत्काल आरोपी की गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक ज्वालापुर को निर्देशित किया गया। प्रभारी निरीक्षण ज्वालापुर के नेतृत्व में टीमें गठित की गई, गठित टीमों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। टीमों द्वारा तत्काल आरोपी के मस्कन/अन्य संभावित स्थानों पर दविश दी गई उक्त के क्रम में दिनांक 23/12/24 को आरोपी आशीष सिंह उर्फ आशु पुत्र स्वर्गीय रमेश चंद्र सिंह निवासी गोविंदपुरी कॉलोनी कोतवाली ज्वालापुर हरिद्वार को गोविंदपुरी घाट से पकड़ा गया।

नाम पता आरोपी

आशीष सिंह उर्फ आशु पुत्र स्वर्गीय रमेश चंद्र सिंह निवासी गोविंदपुरी कॉलोनी रटखठ वाली गली कोतवाली ज्वालापुर जनपद हरिद्वार।

पुलिस टीम

1-उप निरीक्षक सोनल रावत

2- उप निरीक्षक ललिता चुफाल

3-कां0आशीष शर्मा

रुड़की पुलिस द्वारा 01 वारंटी को धर दबोचा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार द्वारा मा0 न्यायालय द्वारा जारी आदेशिकाओं को शत प्रतिशत तामील करने हेतु निर्देशित किया गया। जिसके अनुपालन में प्रभारी रूडकी द्वारा टीम गठित की गई। पुलिस टीम के द्वारा महिला वारंटी निवासी सोनाली पुरम रुड़की कोतवाली रुड़की संबंधित वाद संख्या 325/24 सोनालीपुरम रुड़की से पकड़ा गया।

नाम पता आरोपी

1- महिला वारंटी निवासी सी -2 सोनालीपुरम रुड़की कोतवाली रुड़की जनपद हरिद्वार संबंधित वाद संख्या 325/24।

पुलिस टीम का नाम

1.अ0उप नि0 असाड सिंह पंवार

2.कांस्टेबल प्रवीण कुमार

3. महिला होमगार्ड आशा चौहान

समाजसेवी का चोला ओढ कर रहे विद्युत चोरी

पूर्व में भी विद्युत चोरी के मामलों में हो चुकी FIR

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मैदानियान में समाजसेवी का चोला ओढ़ रह रहे अल्पसंख्यक समुदाय का व्यक्ति लगातार कई वर्षों से करते आ रहे विद्युत चोरी। कथित समाजसेवी द्वारा पूर्व में भी विद्युत चोरी के मामलों में थाने के चक्कर लगा लिए इसके बाद भी विद्युत चोरी का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा। बीते सोमवार जब ज्वालापुर में विद्युत वितरण खंड ज्वालापुर की स्थानीय टीम एवं विजिलेंस टीम छापेमारी कर रही थी तभी विजिलेंस टीम ने कथित समाजसेवी के घर पर भी छापा मारा और विद्युत चोरी करते रंगे हाथों पकड़ा। कथित समाजसेवी पूर्व में भी विद्युत चोरी के 2 मामलों में थाने के चक्कर लगा चुका है और विभाग का लगभग 2 लाख के करीब का भुगतान उस पर पिछले कई वर्षों से बकाया चल आ रहा है। कथित समाजसेवी ने विभाग के कर्तव्य निष्ठ लाइन स्टाफ के कर्मचारी जिन्होंने पूर्व में कथित समाजसेवी पर कार्यवाही करवाई उन पर भी पैसे लेकर बिल जमा न करने का झूठा आरोप लगाया जबकि कथित समाजसेवी पर खुद वर्ष 2019 में मीटर से छेड़छाड़ करने और विद्युत चोरी करने के आरोप में विभाग ने जुमार्ना लगाया था जो अब तक उसने जमा नहीं किया बल्कि इसके बावजूद भी वो लगातार विद्युत चोरी करता रहा और 30 नवंबर 2024 तक इस कथित समाजसेवी का बकाया रु 1,84,054 था। इतना सब होने के बाद भी समाजसेवी के हौसले इतने बुलंद थे कि वो लगातार बिजली चोरी करता रहा जिसकी शिकायत विभाग को मिलती रही और जब शिकायत पर विभाग संज्ञान लेकर जब सोमवार विभागीय टीम विजिलेंस टीम के साथ मौके पर पहुंची तो कथित समाजसेवी को बिजली चोरी करते पाया गया जिस पर कथित समाजसेवी ने भीड़ इकट्ठा कर खूब बवाल किया और विभाग की टीम के साथ अभद्र व्यवहार किया और जेई व एसडीओ पर उल्टे सीधे आरोप लगाए और मामले की वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दबाव बनाने की कोशिश की। नाम न छापने की शर्त पर विभागीय कर्मचारी ने बताया कि ज्वालापुर क्षेत्र के अल्पसंख्यक समुदाय बाहुल्य क्षेत्रों में सबसे ज्यादा विद्युत चोरी

होती है जिस से विभाग को सबसे ज्यादा ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन लॉस झेलना पड़ता है । इस क्षेत्र में ही विभाग के सबसे ज्यादा बकाएदार भी है जिसमें आम आदमी से लेकर व्यापारी तक और ऐसे कथित समाजसेवी से कथित पत्रकार तक शामिल है। हाल ही में ऐसा मामला सम्भल के अल्पसंख्यक समुदाय बाहुल्य क्षेत्रों में भी देखने को मिला। विद्युत वितरण खंड की एसडीओ अर्चना ने बताया कि मैदानियान मोहल्ले में घर में चोरी से बिजली चलाई जा रही थी जिसकी शिकायत लगातार मिल रही थी । शिकायत पर संगठन लेकर छापा मारा तो मौके पर बिजली चोरी पकड़ी गई। पूर्व में भी उक्त व्यक्ति (कथित समाजसेवी) के यहां दो बार बिजली चोरी पकड़ी गई और दोनों बार एफआईआर करवाई जा चुकी। ये लोग चाहते है कि इनको सीधे केबल लगाकर विद्युत चोरी करते रहे, उन्हें कोई रोके ना। उन्होंने बताया कि जब वो टीम के साथ कार्यवाही के लिए गई तो उनके साथ अभद्र व्यवहार और बदसलूकी की गया और भीड़ इकट्ठा कर दबाव बनाने की कोशिश की गई।

निरंजनपुर फिटर पर पिछले चार पांच दिनों से करीब 10 से 12 घंटे अघोषित विद्युत कटौती

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर,उत्तराखंड, क्षेत्र के निरंजनपुर फिटर पर पिछले चार पांच दिनों से करीब 10 से 12 घंटे अघोषित विद्युत कटौती की जा रही है। जिससे विद्युत उपकरण नहीं चल पा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि ऊर्जा निगम के अधिकारियों से मांग करने के बावजूद भी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। रायसी बिजली उपकेंद्र के निरंजनपुर फिटर से खानपुर ब्रह्मपुर, बाकरपुर,रसुलपुर उर्फ कंकरखाता, शिवपुरी,जसपुर रणजीतपुर, भिक्कमपुर, अलावलपुर, रामपुर रायघटी, काबूलपुरी रायघटी, आदि एक दर्जन से अधिक गांव को विद्युत आपूर्ति की जाती है। पिछले चार पांच दिनों से निरंजनपुर फिटर पर रात्रि करीब 3 बजे से लगाकर सुबह करीब 8:00 बजे तक और इसके बाद दिन के समय 10 बजे से शाम 5 बजे तक

कुल मिलाकर 24 घंटे में करीब 10 से 12 घंटे अघोषित विद्युत कटौती की जा रही है। नंदकिशोर , सोहन, सुकेन्द्र, बाबूराम, मोहित कुमार, राहुल कुमार, अनूप कुमार, सोनू कुमार, अर्जुनसिंह, आदि ग्रामीणों का कहना है कि पिछले चार पांच दिनों से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि रात्रि करीब 3 बजे से विद्युत आपूर्ति नहीं होने से अंधकार में जीना पड़ रहा है। इसके साथ-साथ विद्युत उपकरण भी नहीं चल पा रहे हैं। जबकि 10 से12 घंटे अघोषित विद्युत कटौती की जा रही है। इस विद्युत कटौती में सबसे ज्यादा दिक्कत ग्रामीणों को पेयजल की हो रही है। विद्युत मोटर नहीं चल पाने के कारण ग्रामीणों को समय पर पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अघोषित विद्युत कटौती बंद करने के संबंध में ऊर्जा निगम के अधिकारियों से लगातार मांग की जा रही है, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।

ऊर्जा निगम के एसडीओ राकेश गुप्ता का कहना है कि विद्युत लाइन पर तारों को बदले जाने का कार्य चल रहा है। इसके अलावा कुछ समय के लिए विद्युत रोस्टिंग भी हो रही है।

5 जुहारीयो को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर, उत्तराखंड, लक्सर पुलिस के द्वारा जुंआ खेलते हुए 5 जुहारीयो को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार किया गया है, उनसे 75000 रुपए भी बरामद हुए हैं, लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों संदिग्ध व्यक्तियों और असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाए जाने के लिए सभी थाना प्रभारीयो को निर्देशित किया गया था, जिसमें 23 दिसंबर 2024 को चेकिंग के दौरान पांच व्यक्तियों को सुल्तानपुर क्षेत्र से जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया हैं। उनके कब्जे से 75000 रुपए की नकदी ताश के पत्ते बरामद हुए, पूछताछ करने पर उन व्यक्तियों ने अपने नाम समीम पुत्र सगीर, निवासी धनपुरा थाना पथरी उम्र 33 वर्ष जनपद हरिद्वार, अयूब पुत्र याकूब, उम्र 53 वर्ष निवासी सुल्तानपुर थाना लक्सर, अलीम पुत्र इरफान, निवासी ग्राम बसेड़ी खादर उम्र 28 वर्ष थाना कोतवाली लक्सर, वकील पुत्र जमील, उम्र 50 वर्ष निवासी ग्राम खड़ंजा कुतुबपुर कोतवाली लक्सर, मेहरबान पुत्र नूरहसन, निवासी ग्राम खड़ंजा कुतुबपुर उम्र 26 वर्ष कोतवाली लक्सर जिला हरिद्वार बताया, उनको पकड़ने वाली पुलिस टीम में हेड कांस्टेबल रियाज अली, कांस्टेबल वीरेंद्र तोमर, अजीत तोमर, प्रकाश खनेडा, शामिल रहे। पकड़े गए पांचो व्यक्तियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पकड़े गए पांचो व्यक्तियों को मानने न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

कलियर पुलिस की हुड़दंगियों के खिलाफ कठोर कार्यवाही

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

पिरान कलियर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार क्रिसमस, विंटर सीजन, न्यू ईयर पर शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों के विरुद्ध में अभियान के अंतर्गत थाना कलियर पुलिस द्वारा सख्ती करते हुए। शराब पीकर वाहन चलाते हुए तथा सड़क सरेआम उत्पात मचाते हुए दो मोटरसाइकिल पर सवार तीन आरोपियों शौकीन निवासी जसवावाला, थाना पिरान कलियर, विक्की निवासी बहादरपुर सैनी, थाना बहादराबाद, राजा निवासी कमालपुर सैनी, थाना बहादराबाद को पकड़ा गया।

कूड़ा डालने गई युवती बेसुध हालत में एक खेत से मिली

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

पिरान कलियर। इमलीखेड़ा में मंगलवार सुबह करीब 6 बजे कूड़ा डालने गई युवती बेसुध हालत में एक खेत से मिली। परिजनों ने चार बाइक सवार युवको को पर नशीला पदार्थ सूंघाकर युवती का अपहरण कर उसकी हत्या करने के प्रयास का आरोप लगाया है। वहीं पुलिस ने दो युवको को हिरासत में लेने के साथ मामले की जांच शुरू कर दी है।वहीं मौके पर लोगों की भीड़ ने अन्य फरार दोनो युवकों को भी जल्द पकड़ने की मांग को लेकर चौकी में जमकर हंगामा किया। जानकारी के अनुसार कलियर थाना क्षेत्र के एक कस्बा निवासी युवती सुबह करीब 6 बजे पास में कूड़ा डालने गई थी। जब वह काफी देर तक वापस नहीं लोटी तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की।और तलाश करने के दौरान नदी पार जंगल से युवती खेत में बेसुध हालत में पड़ी मिली। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी गई सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुची। ओर ग्रामीणों से घटना की जानकारी की। लेकिन युवती के परिजन उसे लेकर घर आ गये। ओर कोई कार्यवाही करने से मना करने लगे। लेकिन मामला उस समय बढ़ा जब कुछ लोग जंगल में इन युवकों की तलाश कर रहे थे तो एक युवक को उन्होंने गन्ने के खेत से पकड़ लिया।जिसे लेकर वह कस्बे में लेकर आ गये। जिसकी सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मोके पर जमा हो गई।मामले की गम्भीरता को देखते हुए एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल , सीओ नरेंद्र पंत थाना प्रभारी दिलबर सिंह नेगी पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुँचे।एक और युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हंगामा कर रोड पर जाम लगाने का प्रयास किया।मामला दो समुदाय से जुड़ा होने के कारण आसपास थानों की पुलिस मौके पर बुलाई

गई। हंगामा देख एसपी देहात व सीओ ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। घण्टो की मशक्कत के बाद ही पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद ही मामला शांत हो पाया है। जिसके बाद युवती के परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर चारो युवकों के खिलाफ नशीला पदार्थ सूंघाकर अपहरण कर हत्या का प्रयास करने का आरोप लगाया।एसपी देहात शेखर सुयाल ने बताया कि पुलिस ने दो युवकों को हिरासत में ले लिया है। लोंगो को समझा बुझकार शांत किया गया है।तहरीर के आधार पर कार्वाई की जा रही हैं।इस मौके पर एसपी देहात शेखर चन्द्र सुयाल, एएसपी हरिद्वार जितेंद्र मेहरा,प्रशिक्षु आईपीएस कुष मिश्रा,सीओ रुड़की नरेद्र पंत ,इंस्पेक्टर सुर्य भूषण नेगी,प्रदीप बिष्ट,थानाध्यक्ष कलियर दिलबर सिंह नेगी,थानाध्यक्ष बहदराबाद नरेश राठौर आदि पुलिस बल मौजूद रहा।

ग्राम तेलीवाला के निकटवर्ती जंगल में पेड़ से लटका मिला नाबालिग का शव जांच में जुटी पुलिस

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

धनौरी। चौकी क्षेत्र के ग्राम तेलीवाला के निकटवर्ती जंगल में आम के बाग में एक नाबालिग का शव पेड़ पर लटका हुआ मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार सुबह तेलीवाला गांव के पास आम के एक बाग में तेलीवाला निवासी एक नाबालिग का शव पेड़ पर लटका हुआ मिला है। अपने खेतों पर जा रहे ग्रामीणों को आम के पेड़ पर एक नाबालिग का शव लटका हुआ दिखाई दिया।ग्रामीणों ने सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर चौकी प्रभारी हेमदत्त भारद्वाज ने मोके पर पहुचकर शव को पेड़ से उतार कर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। और मामले की जांच शुरू कर दी है।चौकी प्रभारी हेमदत्त भारद्वाज ने बताया कि तेलीवाला के एक नाबालिग का शव पेड़ पर लटका हुआ मिला है किशोर घर से चर्खी में काम करने के लिए बोलकर गया था।शव को पेड़ से उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है।

भाजपा के शिवम कश्यप ने फिर से सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी दावेदारी पेश की

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर,उत्तराखंड, लक्सर नगरपालिका सीट पर हुये फेरबदल के बाद अब ओबीसी वर्ग के लोगों में फिर से एक नया जोश भर गया है, भाजपा के शिवम कश्यप ने फिर से सोशल मीडिया पर पोस्ट कर अपनी दावेदारी पेश की है, हालांकि उन्होंने भी पार्टी के बड़े नेताओं को अपना आवेदन पहले ही सौंप रखा था। शिवम ओबीसी वर्ग से आते है, भाजपा में काफी समय से सक्रिय है। और वर्तमान में भाजपा के सोशल मीडिया सेल में सहप्रभारी है। वह कई वर्षों से निस्वार्थ भाव से पार्टी की सेवा कर रहे है। अब लक्सर नगरपालिका की सीट फिर से ओबीसी के लिए आरक्षित हो गई है, पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता होने के नाते उन्होंने भी अपना आवेदन अपने वरिष्ठ पदाधिकारियों ने बड़े नेताओं को पहले से ही सौंप रखा था। शिवम कश्यप के अलावा ओर भी अन्य कई दावेदारों ने अपना अपना आवेदन भाजपा के बड़े नेताओं को किया हुआ है, पर अंतिम निर्णय पार्टी हाईकमान का ही होता है , शिवम कश्यप ने कहा पार्टी का जो भी फैसला होगा, पार्टी जिसपर भरोसा जताती है, तो वहीं चुनाव में पार्टी के

विश्वास पर खरा उतरने का काम करेगा और यदि किसी अन्य साथी को पार्टी टिकट देती है तो उनको भी जिताने के लिए जीजान से उनके लिए मेहनत की जाएगी, शिवम कश्यप हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत के काफी करीबी माने जाते है, लोकसभा चुनाव में भी शिवम कश्यप जोरदार तरीके से अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके है। ओर अन्य दावेदार भी भाजपा से टिकट के जुगाड़ में लगे हुए हैं, देखना यह होगा पार्टी किस पर भरोसा जताती है, यह तो अभी भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है।

रायसी कृषक इंटर कॉलेज में पुलिस के द्वारा छात्र-छात्राओं को नशे के प्रति जागरूक किया

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर,उत्तराखंड, लक्सर क्षेत्र के रायसी कृषक इंटर कॉलेज में पुलिस के द्वारा छात्र-छात्राओं को नशे के प्रति जागरूक किया है, लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड के ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 को साकार करने के लिए नशा मुक्त शहर नशा मुक्त गांव व जिंदगी को खुशहाल बनाने के लिए नशे के खिलाफ अभियान ऑपरेशन नई किरण को सफल बनाने के लिए 21 दिसंबर 2024 को लक्सर कोतवाली क्षेत्र के कृषक इंटर कॉलेज रायसी में एसएसपी हरिद्वार द्वारा दिए गए आदेश पर जन जागरूक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नशे की रोकथाम के संबंध में स्कूली बच्चों के साथ नशा मुक्त गांव शहर राज्य के

संबंध में चर्चा की गई, व गांव में नशा करने वाले व्यक्तियों की काउंसलिंग कर उन्हें नशा मुक्त करने व नशा बेचने वाले व्यक्तियों की सूचना पुलिस को देने के संबंध में भी अवगत कराया गया, स्कूल के छात्र-छात्राओं को ऑपरेशन नई किरण के संबंध में नशे से पीड़ित व्यक्तियों की काउंसलिंग एवं उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के संबंध में अवगत कराया गया, नशा मुक्त शहर नशा मुक्त गांव अभियान के अंतर्गत जिंदगी को नशे से बचाने के लिए नशा न करने की हिदायत दी गई, एवं सभी छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाई गई, उन्होंने कहा सभी छात्र-छात्राओं को गोरा शक्ति एप एवं साइबर क्राइम यातायात सुरक्षा के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी गई, उन्होंने कहा सभी छात्र-छात्राओं को अपने घर परिवार व जान पहचान वालों को नशे से होने वाले नुकसान के संबंध में बताना चाहिए, जिससे कोई घर बर्बाद ना हो सके, और सभी को नशे से बचाया जा सके।

शेफील्ड स्कूल रुड़की में क्रिसमस दिवस से पहले बच्चों ने मनाया क्रिसमस दिवस

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

पिरान कलियर। शेफील्ड स्कूल रुड़की में क्रिसमस दिवस से पहले मंगलवार को बच्चों ने क्रिसमस दिवस मनाया। स्कूल में क्रिसमस की धूम रही क शेफील्ड स्कूल के छात्र-छात्राएं , अध्यापक क्रिसमस के रंग में नजर आए कहंसी खुशी के माहौल के बीच सांता क्लास बने बच्चे हर किसी के लिए आकर्षण का केंद्र रहे। स्कूल में जिंगल बेल जिंगल बेल गुंजा और बच्चों को उपहार बांटे गए स्कूल के बच्चों ने नृत्य , कविताएं सुना कर मन मोह लियाक इस अवसर पर डायरेक्टर डीके शर्मा ने संता बने अध्यापक के साथ केक काटा और कहा कि स्कूल में हम सब हर धर्म एक समान मानना चाहिए स्कूल में इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों में सद्भावना एकता व भाईचारे की भावना पैदा होती है। तथा बच्चों को सर्वधर्म भारतीय संस्कृति के बारे में जानने का अवसर मिलता है क उन्होंने सभी बच्चों व अध्यापकों को बधाई देते हुए कहा कि कि ऐसे कार्यक्रम होते रहने चाहिए इस अवसर पर शिवानी सैनी, अंकुश सैनी, मोनिका त्यागी, शाजिया, रुचि दरगान , साबरीन ,दीपिका रानी, नेहा भारद्वाज, अब्दुल कादिर आदि मौजूद रहे।

मॉर्डन हेयर सैलून का पूर्व राज्य मंत्री सुबोध राकेश ने फीता काटकर किया उद्घाटन

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

भगवानपुर। भगवानपुर नगर पंचायत सग्गीर काम्प्लेक्स में मॉर्डन हेयर सैलून का उद्घाटन भगवानपुर विधानसभा के लोकप्रिय नेता पूर्व राज्य मंत्री सुबोध राकेश ने किया भगवानपुर विधानसभा के लोकप्रिय नेता सुबोध राकेश ने मॉर्डन हेयर सैलून के ओनर गुलशेर अहमद को दी शुभकामनाएं। इस शुभ अवसर पर हाजी मोहतसीन अली,रागीब अली, जावेद अहमद, बाबू भाई, तनवीर आलम, शाहबान मुनीर आलम, डॉक्टर दानिश, अशोक इत्यादि लोग उपस्थित रहे

आदिल राणा बने प्रेस क्लब भगवानपुर चेयरमैन

मिशन नेशनल न्यूज /शमशाद अहमद

प्रेस क्लब भगवानपुर संगठन के वार्षिक आज संपन्न हुए जिसमें अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर चुनाव हुए अध्यक्ष पद पर पत्रकार आदिल राणा ने 9 मतों से जीत हासिल की उपाध्यक्ष पद पर सुनील कुमार शर्मा ने जीत हासिल की हालांकि महासचिव पद पर धीर सिंह ,कोषाध्यक्ष पद पर संदीप राठौर और ऑडिटर के पद पर लियाकत कुरैशी निर्विरोध चुने गए चुनाव अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी (रिटायर) ने बताया कि निष्पक्ष चुनाव करवाए गए और नतीजों का ऐलान किया गया ,,ब्रह्मपाल सिंह पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी चुनाव अधिकारी डॉ राजेश सैनी वरिष्ठ पत्रकार चुनाव अधिकारी वही अध्यक्ष पद पर विजई हुए आदिल राणा ने कहा कि पत्रकारों के हितों की लड़ाई हमेशा लड़ेंगे और एक मजबूत आवाज बनेंगे इस मौके पर सुनील शर्मा मुरसलीन अल्वी जाकिर गौड़ मोहब्बत चौधरी संदीप राठौर राहुल चौहान दिनेश कुमार सूरज कुमार रजनीश सहगल सीमा लियाकत कुरैशी धार सिंह आदि मौजूद रहे

लक्सर क्षेत्र मे वन विभाग की टीम ने किया अजगर का रेस्क्यू

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

लक्सर में हरिद्वार मार्ग पर बेगम के पुल के पास अजगर निकल आने से राहगीरों में हड़कंप मच गया जिसकी सूचना लक्सर वन विभाग को दी गई सूचना पर वन विभाग की टीम ने देरी ना करते हुए मौके पर पहुची और विशालकाय अजगर का शहकुशल रेस्क्यू कर उसे पथरी जंगल मे छोड़ा गया जब जाकर कहि राहगीरों ने चेन की सांस ली वन क्षेत्रा अधिकारी यशपाल सिंह राठौर का कहना है सर्दी के मौसम में अक्सर धूम लेने के लिये जीव जंतु जंगल से बाहर निकल जाते हैं उसी क्रम में उन्हें आज दोपहर में हरिद्वार मार्ग पर बेगम के पुल के पास अजगर के होने की सूचना मिली उन्होंने बताया सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुची और सहकुशल अजगर का रेस्क्यू कर उसे पथरी जंगल मे छोड़ा गया उन्होंने कहा उनकी वन विभाग की टीम पूरी तरह से अलर्ट है जब भी कही से सूचना मिलती है उस पर पूरा एक्शन लिया जाता है। रेस्क्यू टीम में सिंगल गुरजंट सिंह सुमित सैनी आदि कर्मचारी मौजूद रहे

स्पेशल जज पोक्सो एक्ट कोर्ट न0-03 मुरादाबाद के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए नियत दतिथि 24/01/25 को हाजिर हो

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

देहरादून, उद्घघोषणा अंतर्गत धारा 82 सीङ्क आरङ्क पीङ्क सी एतद द्वारा घोषणा की जाती है की सत्र परीक्षण 801/17 अपराध सङ्क- 264/17 धारा 363,366,376 क्कउव 3/4 पास्को एक्ट थाना ठाकुरद्वारा जनपद मुरादाबाद में अभिङ्क राहुल पुत्र चंद्रप्रकाश निवासी भगवंतपुर थाना राजपुर मिलक जिला देहरादून उत्तराखंड, हाल निवासी ग्राम सोमनाथ नगर डांडा लाखोड़ा थाना रायपुर जिला देहरादून उत्तराखंड मेरे समक्ष परिवार किया गया उपरोक्त ने उपरोक्त अपराध किया है और उसे पर जारी किए गए नियमावली के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान मद रूप से यह दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त फरार हो गया है इसलिए इसके द्वारा उद्घघोषणा की जाती है की स्पेशल जज पोक्सो एक्ट कोर्ट न0-03 मुरादाबाद के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए नियत दतिथि 24/01/25 को हाजिर हो।

निरीक्षक मदन सिंह बिष्ट बने सीओ

शादाब अली

उत्तरकाशी पुलिस के 35 निरीक्षक सीओ के पद पर पदौन्नत हुए है। जिस क्रम में उत्तरकाशी पुलिस के निरीक्षक मदन सिंह बिष्ट के निरीक्षक से उपाधीक्षक पद पर पदोन्नत होने पर आज पुलिस कप्तान उत्तरकाशी सरिता डोबाल द्वारा उनके कंधे पर सितारे सजाकर उन्हें बधाई दी व आगे आने वाली जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दी।

चुनाव ड्यूटी में लगेंगे 30 हजार कर्मचारी और 18 हजार सुरक्षाकर्मी, सॉफ्टवेयर तैयार

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

राज्य निर्वाचन आयुक्त ने बताया कि चुनाव प्रबंधन में 4000 कर्मचारी लगेंगे। 2000 सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट और 24000 कर्मचारी चुनाव ड्यूटी में सीधे लगेंगे।

उत्तराखंड के नगर निकाय चुनाव में इस बार 30,000 सरकारी अधिकारी व कर्मचारी लगाए जाएंगे। चुनाव में सुरक्षा संबंधी जिम्मेदारी के लिए 18,000 सुरक्षाकर्मी लगाए जाएंगे। 2500 हल्के-भारी वाहनों को चुनाव के लिए अधिग्रहित किया जाएगा।

राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने बताया कि चुनाव में मतदान व मतगणना के लिए 24,000 कर्मचारी लगाए जाएंगे। चुनाव प्रबंधन के लिए 4000 कर्मचारी, सेक्टर मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, नोडल अधिकारी, प्रभारी अधिकारी के लिए 2000 अधिकारी तैनात किए जाएंगे निर्वाचन आयोग ने चुनाव में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के लिए एनआईसी की मदद से सॉफ्टवेयर तैयार किया है। निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार के मुताबिक, इस सॉफ्टवेयर से ही रैंडम आधार पर चुनाव ड्यूटी लगाई जाएगी। एक जिले के अफसरों को दूसरे जिलों में प्रेक्षक बनाया जाएगा।

सीएम साहब: राजधानी में एक नया शहर बसाओ

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। उत्तराखण्ड का जन्म होने के बाद राजधानी को एक नये रूप मे ढालने के लिए शुरूआती दौर मे ही मिशन शुरू हुआ था और उस दौरान शहर को सुन्दर बनाने के बडे-बडे दावे किये गये लेकिन यह दावे धरातल पर आवाम के दिलों को नहीं जीत पाये और उस दौरान भी यह बहस चली कि आखिरकार शहर तो आज भी वैसे का वैसा है तो फिर राजधानी को नया रूप देने के लिए जो हजारों करोड रुपए खर्च किये गये थे वह आखिर हुये कहां खर्च थे? शहर की वही सडकें, शहर का वही हाल आवाम देखती रही और जब अस्थाई राजधानी के शहर को स्मार्ट शहर बनाने के लिए हजारों करोड रुपए खर्च होने शुरू हुये तो ऐसा आभास हो रहा था मानो दून का शहर एक नया स्वरूप लेकर आयेगा और उस स्मार्ट शहर को देखकर उत्तराखण्ड ही नहीं बल्कि देश-विदेश से आने वाले लोग भी आश्चर्यचकित होंगे। त्रिवेन्द्र रावत राज में शहर को स्मार्ट सिटी बनाने का सिलसिला शुरू हुआ था उससे ऐसा आभास हो रहा था मानो शहर एक नये रंग-रूप मे दिखाई देगा लेकिन शहर तो कभी स्मार्ट बन ही नहीं पाया और सोशल मीडिया पर हमेशा आवाम इस स्मार्ट सिटी को लेकर अकसर अपनी नाराजगी प्रकट करता हुआ दिखाई देता रहा? एक ही बरसात मे जिस तरह से शहर की सडकें जलमग्न हो जाती हैं वह किसी से छिपा नहीं है और शहर आज भी उसी रूप मे देखने को मिल रहा है जैसा पुराने दौर मे देखने को मिलता था, हां शहर की कुछ रूपरेखा और सडकों के किनारे दीवारों पर जरूर रंगीन पेंटिंग आवाम को देखने को मिली लेकिन शहर मे आज भी जाम का झाम आवाम को खूब रूलाता है तो वहीं शहर मे पार्किंग के आभाव से अकसर शहरवासियों और बाहर से आने वाले यात्रियों को भी काफी कठिनाईयों का सामना करना पड रहा है। अब राजधानी के अन्दर यह बहस चल रही है कि सीएम साहब दून को सुन्दर बनाने के बजाए एक अलग शहर बसाया जाये जो कि उत्तर प्रदेश के नोएडा के तर्ज पर विकसित हो और आवाम को लगे कि अब राजधानी मे भी एक नया शहर मुख्यमंत्री ने बसा दिया है जिसकी पुनः एक लम्बे अर्से से उम्मीद बनी हुई थी। उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य को एक नई उडान पर ले जाने के लिए तेजी के साथ आगे बढ रहे हैं और उन्होंने गढवाल व कुमांऊ में विकास का जो नया दौर शुरू किया है वह राज्यवासियों से लेकर बाहर से आने वाले पर्यटकों व श्रद्धालुओं को भी खूब रास आ रहा है। मुख्यमंत्री 2०25 तक उत्तराखण्ड को आदर्श राज्य बनाने के विजन पर आगे बढे हुये हैं और उनकी चाहत है कि उत्तराखण्ड विकास की उस उडान पर उडता चला जाये जिसका सपना राज्यवासी चौबीस साल से देखते आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने राज्य के पर्यटन और तीर्थाटन को एक नई पहचान देने का जो सिलसिला शुरू किया है वह उत्तराखण्डवासियों को तो खूब रास आ रहा है साथ मे उन पर्यटकों व श्रद्धालुओं को भी उत्तराखण्ड अब बदलता हुआ नजर आने लगा है जो उत्तराखण्ड को एक नई उडान पर उडते हुए देखने की तमन्ना वर्षों से पाले हुये थे।

आरक्षण को लेकर अंतिम सूची की गई जारी, 23 जनवरी को होंगे चुनाव, कार्यक्रम जारी

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

उत्तराखंड के 100 नगर निकायों में मेयर, अध्यक्ष से लेकर वार्डों की आपत्तियों का निपटारा रविवार को देर रात तक कर दिया गया। आज आरक्षण को लेकर अंतिम सूची जारी कर होने के साथ चुनाव तिथि का एलान भी कर दिया गया।

उत्तराखंड निकाय चुनाव के लिए आरक्षण को लेकर अंतिम सूची जारी कर दी गई है। देर रात तक आपत्तियों के निस्तारण के बाद आज सोमवार को शासन ने नगर निकायों में महापौर व अध्यक्ष पदों के लिए आरक्षण की अंतिम सूची जारी कर दी है। वहीं चुनाव की तिथि का एलान भी कर दिया गया है। 23 जनवरी को निकाय चुनाव होंगे। जबकि 25 को मतगणना होगी।श्रीनगर, हल्द्वानी और अल्मोड़ा नगर निगम में आरक्षण में बदलाव किया गया है। हल्द्वानी नगर निगम

में महापौर सीट सामान्य, अल्मोड़ा नगर निगम में ओबीसी और श्रीनगर में महापौर सीट महिला आरक्षित कर दी गई है।निकाय चुनाव की तैयारियां चरम पर हैं। देर रात तक काम करने के बाद शहरी विकास निदेशालय ने मेयर, नगर पालिका व नगर पंचायत अध्यक्षों के आरक्षण पर आई आपत्तियों का निपटारा करके शासन को रिपोर्ट भेजी। र-विवार को सभी जिलों के साथ ही शहरी विकास निदेशालय भी रोजमर्रा की तरह खुला रहा।शहरी विकास निदेशालय ने जिस नियमावली के तहत आरक्षण रोस्टर बनाकर अनन्तिम अधिसूचना जारी की थी, उसके मुताबिक ही आपत्तियों को परखने के बाद उनका निपटारा किया गया। इसके तहत ही रिपोर्ट तैयार की गई है। इसी प्रकार जिलाधिकारियों ने भी अपने स्तर से नियमावली के तहत आपत्तियों की सुनवाई और निपटारा किया है।

3 किलो से ज्यादा अवैध गांजा के साथ महिला तस्कर गिरफ्तार

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून को नशे से मुक्त करने के लिए पुलिस कप्तान अजय सिंह के निर्देशन मे जनपद पुलिस लगातार नशा तस्करों पर कार्यवाही कर रही है। जिस क्रम में थाना पटेलनगर क्षेत्र में चैकिंग अभियान के दौरान ब्रहमपुरी खण्डहर के पास से एक महिला नशा तस्कर कविता(उम्र32) पत्नी अरुण साहनी निवासी ब्रहमपुरी थाना पटेलनगर जनपद देहरादून को 3 किलो 464 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया। गौरतलब है कि प्रदेश में बढ़ रही नशे की प्रवृति की रोकथाम के लिए ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान चलाया जा रहा है।

किस नेता पर कितने मुकदमे, इस बार सब पता चलेगा,आपराधिक रिकॉर्ड भी जारी करेगा आयोग

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

निर्वाचन आयोग निकाय चुनाव में आपराधिक रिकॉर्ड भी जारी करेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी वेबसाइट पर इसे प्रकाशित किया जाएगा साथ ही अखबारों में भी सूचना दी जाएगी।

लोकसभा, विधानसभा चुनावों की भांति नगर निकायों के चुनाव में भी दम आजमाने वाले नेताओं को अपना आपराधिक ब्योरा देना होगा। इस ब्योरे को जिला निर्वाचन अधिकारी अपनी वेबसाइट पर प्रसारित करने के साथ ही अखबारों के माध्यम से जनता के बीच तक उसकी सूचना पहुंचाएंगे। पहली बार आयोग ने यह शुरूआत की है।वार्ड या निकाय अध्यक्ष का चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को इस बार शपथ पत्र पर अपना आपराधिक ब्योरा भी देना होगा। उस प्रत्याशी के खिलाफ किस थाने में किन धाराओं में कितने मुकदमे दर्ज हैं, इसकी सूचना जिलाधिकारी को देनी होगी। जिलाधिकारी के स्तर से सभी ऐसे प्रत्याशियों का यह ब्योरा किसी प्रचार के माध्यम जैसे वेबसाइट आदि पर जारी

करनी है।जनता के बीच इसकी सूचना अखबारों के माध्यम से दी जाएगी ताकि मतदाता अपने प्रत्याशी का आपराधिक रिकॉर्ड उस वेबसाइट पर देख सकें। राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार ने बताया कि निकायों में आपराधिक प्रवृत्ति को कम करने, मतदाताओं के बीच उसकी जानकारी देने के मकसद से यह बदलाव किया गया है।

धामी चाहते हैं जनता का सेवक ही बने मेयर का उम्मीदवार

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। उत्तराखण्ड में निकाय चुनाव का बिगुल बज चुका है और चुनाव लडने के लिए सभी राजनीतिक दलों के हर दूसरे नेता के मन में जो उमंग दौड रही है उसे देखते हुए कांग्रेस व भाजपा के दिग्गज नेताओं के माथे पर जरूर चिंता की लकीरें पडी होंगी? दोनो राजनीतिक दलों में मेयर व नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव लडने के लिए दर्जनों राजनेताओं में एक बडी होड लगी हुई है और सभी राजनेता पार्टी नेताओं के सामने अपनी उम्मीदवारी का डंका बजा रहे हैं जिससे दोनो राजनीतिक दलों में पार्टी उम्मी-दवारों के चयन को लेकर एक बडा महामंथन चल रहा है। उत्तराखण्ड में निकाय चुनाव में कमल खिलाने के लिए मुख्यमंत्री एक जोश के साथ पार्टी नेताओं को जीत का झंडा थमा रहे हैं तो वहीं चर्चा है कि धामी चाहते हैं कि जनता का सेवक ही मेयर और नगर पालिका अध्यक्ष का उम्मीदवार बने। मुख्यमंत्री भाजपा संगठन के साथ मिलकर उम्मीदवारों के चयन को लेकर महामंथन मे जुटे हुये हैं तो वहीं कांग्रेस के दिग्गज नेता भी पार्टी उम्मीदवारों के चयन को लेकर राजनीतिक गुणा भाग कर रहे हैं और पार्टी के अन्दर से यह आवाज भी उठ रही है कि इस चुनाव में उन्हें भी मौका दिया जाये जिन्होंने अभी तक किसी भी चुनाव में उम्मी-दवार बनने के लिए ताल नहीं ठोकी थी?

चुनाव आयोग ने उत्तराखण्ड के अन्दर निकाय चुनाव को लेकर अब अपना फैसला सुना दिया था और उसके बाद से ही राज्य के अन्दर निकाय चुनाव का बडा बिगुल बज गया

था। निकाय चुनाव में मात्र एक माह का समय बचा है क्योंकि 23 जनवरी को मतदान कराने का आयोग ने आदेश दिया है ऐसे मे दोनो राजनीतिक दलों के सामने अपने पार्टी प्रत्याशियों के चयन को लेकर अब एक बडी होड़ जरूर मचेगी क्योंकि जब प्रत्याशियों के नाम की घोषणा होगी तभी वह चुनाव मैदान में उतरकर अपने पक्ष में प्रचार प्रसार करने के लिए आगे बढेंगे। निकाय चुनाव की आहट से ही भाजपा व कांग्रेस के दर्जनों नेताओं ने अपनी दावेदारी ठोकने का बिगुल बजा रखा है और सोशल मीडिया पर भी उनकी चाहत सामने आ चुकी है कि वह चुनाव लडने के लिए किस कदर बेताब हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी उत्तराखण्ड में निकाय चुनाव को लेकर पहले से ही अलर्ट मोड मे दिखाई दे रहे हैं और कुछ समय पूर्व दिल्ली से भाजपा के एक बडे नेता ने राज्य के सभी भाजपा नेताओं को निकाय चुनाव में कमल खिलाने का आदेश दिया था और कहा था कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार बेहतर काम कर रही है। मुख्यमंत्री इन चुनाव में भी हर तरफ कमल खिलाने के मिशन पर बडा मंथन और चिंतन कर रहे हैं और उसी को देखते हुए यह चचाएँ भी जन्म ले रही हैं कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चाहते हैं कि जनता का सेवक ही मेयर व नगर पालिका अध्यक्ष का उम्मीदवार बने। मुख्यमंत्री भाजपा संगठन के बडे पदाधिकारियों से पार्टी उम्मीदवारों के चयन को लेकर जल्द ही बडा महामंथन कर अपने उम्मी-दवारों के नामों पर अपनी मोहर लगायेंगे। भाजपा के अन्दर चुनाव लडने वालों की एक लम्बी कतार मेयर पद के लिए दिखाई दे रही है और वह सोशल मीडिया पर मौजूदा दौर में जिस तरह अपने पक्ष में माहौल बनाते हुए नजर आ रहे हैं उससे साफ नजर आ रहा है कि भाजपा के लिए अपने उम्मीदवारों के चयन को लेकर बडी माथापच्ची करनी पडेगी क्योंकि उम्मीदवारों के नामों की घोषणा होने के बाद चुनाव लडने की ललसा रखने वाले कुछ नेता अपनी नाराजगी भी दिखाते हुए नजर आ सकते हैं? वहीं कांग्रेस की ओर से भी मेयर का चुनाव लडने के लिए काफी नेताओं में एक होड देखे जा रही है और सभी चाहते हैं कि पार्टी उन्हें अपना उम्मीदवार बनाये क्योंकि वह वर्षों से पार्टी का झंडा डंडा उठाकर पार्टी को मजबूत कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर इन दिनों तेजी के साथ राजधानी में भाजपा के सम्भावित उम्मीदवार के नाम को लेकर काफी हो हल्ला मच रहा है और कई राजनेताओं के नामों पर सम्भावना जताई जा रही है कि पार्टी किसे अपना उम्मीदवार बना सकती है हालांकि यह सब तो अभी कयास ही हैं क्योंकि भाजपा का महामंत्र है कि वह ऐसे राजनेता को चुनाव मैदान मे उतारे जिसकी छवि सेवक के रूप में हो और आवाम उसे पसंद करता हो ऐसे मे अब देखने वाली बात होगी कि भाजपा और कांग्रेस कब तक निकाय चुनाव में अपने प्रत्याशियों के नामों का खुलासा कर उन्हें चुनाव मैदान में उतारेगी।

कांग्रेस ने निकाला अंबेडकर सम्मान मार्च

पटवारी बोले-भाजपा संविधान और अंबेडकर विरोधी पार्टी

भोपाल

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर पर की गई टिप्पणी के विरोध में मध्यप्रदेश कांग्रेस ने मंगलवार को अंबेडकर सम्मान मार्च निकाला। भोपाल में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, विधायक आरिफ मसूद, आतिफ अकील समेत कई नेता इसमें शामिल हुए। अन्य जिलों में लोकल नेताओं ने इसका नेतृत्व किया।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा- बीजेपी संविधान विरोधी, दलित विरोधी और अंबेडकर विरोधी है। अमित शाह ने जो कहा, वो उनकी सोच को प्रदर्शित करता है। आरएसएस ने 50 साल तक देश का झंडा अपने मुख्यालय पर नहीं लगाया। भाजपा के लोग बार-बार बाबासाहेब अंबेडकर के संविधान को समाप्त करने की बात मुखरता से कह चुके हैं। कांग्रेस पार्टी इसकी निंदा करती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का इस्तीफा लिया जाए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश से माफी मांगें। दूसरी तरफ, शाह की टिप्पणी के विरोध में बहुजन समाज पार्टी के कार्यकताओं ने भी जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया। कलेक्टर कार्यालय पर धरना देने के बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

पुलिस कप्तान की अध्यक्षता में माह नवंबर की अपराध गोष्ठी आयोजित

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोबाल की अध्यक्षता में जनपद पुलिस मुख्यालय में माह नवंबर की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

सर्वप्रथम सैनिक सम्मेलन में पहुंचे जवानों की समस्याओं को सुनकर समस्याओं के निस्तारण के लिए सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए तत्पश्चात नवम्बर माह में अपनी कड़ी लगन और मेहनत के दम पर क्राइम कंट्रोल और बड़ी वारदातों के खुलासे में व उत्कृष्ट कार्य करने पर मेन ऑफ द मंथ चुने गए 22 पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। सैनिक सम्मेलन के पश्चात शुरू हुई अपराध गोष्ठी में श्री प्रमेन्द्र डोबाल द्वारा उपस्थित ऑफिसर्स को क्रिसमस व नववर्ष को देखते हुए अग्रिम बधाई देते हुए समस्त प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशील रहते हुए संघन चैकिंग अभियान चलाने एंव नववर्ष के जश्न के बीच हुड़दंग करने वालों पर पैनी नजर रखते हुए तत्काल समय से वैधानिक कार्यवाही अमल में लाये जाने हेतु निर्देशित किया गया। नगर निकाय चुनाव की आचार संहिता लागू हो चुकी है जिसमें हमें आज से ही पुलिस से सम्बन्धित समस्त तैयारियों एंव निरोधात्मक कार्यवाही अमल में लाते हुए सकुशल संपन्न कराना हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। समस्त क्षेत्राधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में संवेदनशील स्थानों की समीक्षा कर समय से अधिनस्थों को ब्रीफ कर कार्यवाही सुनिश्चित कराया जाये। ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन को सफल बनाने हेतु मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने हेतु बड़े स्तर पर चौपाल आयोजित कर स्थानीय जनता से भी सहयोग मांगा जाए एंव सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी भी थानों की चौपालों में जाकर जनता को ओर जागरुक करने में अपना सहयोग देंगे साथ ही थाना क्षेत्रों में नशे के व्यापार एंव उपयोग करने वाले लोगों को चिन्हित करते हुए उनपर कार्यवाही भी अमल में लाने हेतु निर्देशित किया गया। कुछ अभियोग विगत छः माह से लम्बित चल रहे है जिसपर सख्त लिहाजे में एसएसपी द्वारा सम्बन्धित थाना प्रभारियों को अवगत कराया कि लापरवाई किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं होगी। सम्बन्धित क्षेत्राधिकारी उक्त की समीक्षा करते हुए निस्तारण से अवगत करायेंगे। निरोधात्मक कार्यवाही पिछले माह की अपेक्षा इस माह कम है जो कि उचित नहीं है थाना क्षेत्रों में शान्ति व्यवस्था प्रभावित होने पर सम्बन्धित थाना प्रभारी हल्के में न लें, छोटी झछोटी घटनाएं बड़े रुप लेने पर शान्ति व्यवस्था प्रभावित हो जाती है सम्बन्धित थानाध्यक्षों की जिम्मेदारी निर्धारित की जायेगी। लम्बित विवेचओं के समीक्षाओं के दौरान एसएसपी द्वारा अवगत कराया कि अगले महीने के अपराध समीक्षा के दौरान प्रत्येक थाने का सबसे पुराना केस जो अपराध गोष्ठी मे लेकर आयेंगे जिसका मेरे द्वारा स्वयं अवलोकन किया जायेगा।

उत्तरकाशी में नगर निकाय चुनावों की तैयारियां तेज, जिलाधिकारी ने बैठक में दिए कड़े निर्देश

उत्तरकाशी में नगर निकाय चुनावों के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

नागर स्थानीय निकायों के सामान्य निर्वाचन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के क्रम में जिले की नगर पालिका परिषद-बाड़ाहाट, चिन्यालीसौड़, बड़कोट एवं पुरोला तथा नगर पंचायत-नौगांव के अध्यक्ष एवं वार्ड सदस्यों का निर्वाचन होना है। इसी सिलसिले में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने जिला मुख्यालय पर नगर निकाय चुनावों के लिए नियुक्त निर्वाचन अधिकारियों, सहायक निर्वाचन अधिकारियों, नोडल व प्रभारी अधिकारियों सहित विभिन्न व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर चुनावी की तैयारियों के संबंध में विचार-विमर्श किया।

उत्तरकाशी, 24 दिसंबर 2024 जिले में नगर निकाय चुनावों को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने निकाय चुनावों से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर नागर स्थानीय निकाय सामान्य निर्वाचन को स्वतंत्र, निष्पक्ष और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए समय से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। जिला मुख्यालय पर आज रिटर्निंग अधिकारियों एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया से संबंधित प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

नागर स्थानीय निकायों के सामान्य निर्वाचन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के क्रम में जिले की नगर पालिका परिषद-बाड़ाहाट, चिन्यालीसौड़, बड़कोट एवं पुरोला तथा नगर पंचायत-नौगांव के अध्यक्ष एवं वार्ड सदस्यों का निर्वाचन होना है। इसी सिलसिले में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने जिला मुख्यालय पर नगर निकाय चुनावों के लिए नियुक्त निर्वाचन अधिकारियों, सहायक निर्वाचन अधिकारियों, नोडल व प्रभारी अधिकारियों सहित विभिन्न व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों की बैठक लेकर चुनावी की तैयारियों के संबंध में विचार-विमर्श किया। बैठक में जिलाधिकारी ने चुनाव की सभी तैयारियों को तुरंत अंतिम रूप देने के निर्देश देते हुए कहा कि नामांकन से लेकर मतदान एवं मतगणना की सभी आवश्यक तैयारियों पहले से ही सुनिश्चित की जांय और निर्धारित प्रपत्रों व मतदान सामग्री की नियमानुसार समुचित व पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाय। जिलाधिकारी ने सभी पोलिंग बूथों का आज ही पुनः निरीक्षण कर वहां पर सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित कराने और निर्वाचन से जुड़े कार्यालयों व परिसरों में सीसीटीवी स्थापित करने के साथ ही सुरक्षा के समुचित इंतजाम करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि संवेदनशील एवं अति संवेदनशील मतदान केन्द्रों के अंतिम निर्धारण के लिए सभी केन्द्रों की स्थिति एवं सुरक्षा आवश्यकताओं की पुनः समीक्षा की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होते ही नगर निकाय क्षेत्रों में लागू आदर्श आचार संहिता का पूरी तरह से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाय। पुलिस व आबकारी विकास को संयुक्त टीम बनाकर मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए शराब, नकदी व अन्य प्रकार सामग्री की सामग्री के वितरण पर कारगर रोक लगाने के निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि चुनाव से जुड़े सभी कार्मिक पूरी तरह से निष्पक्ष रहकर नियमानुसार कार्य करें। बैठक में पुलिस अधीक्षक सरिता डोबाल, मुख्य विकास अधिकारी एसएल सेमवाल, अपर जिलाधिकारी पीएल शाह, उपजिलाधिकारी डुंडा देवानंद शर्मा, उप जिलाधिकारी भटवाड़ी मुकेश चंद रमोला, उप जिलाधिकारी बड़कोट बृजेश कुमार तिवारी, उप जिलाधिकारी पुरोला गोपाल सिंह चौहान, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. बीएस रावत, अधीक्षण अभियंता लोनिवि हरीश पांगती सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों, तहसीलदारों, खंड विकास अधिकारियों एवं नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

राजकीय पॉलिटेक्निक नरेंद्र नगर के 1989 बैच का एक दिवसीय सम्मेलन कोटद्वार में आयोजित

सम्मेलन में जनपद उत्तरकाशी से अजय बडौला ने भाग लिया और युवाओं को रोजगार से जोड़ने पर जोर दिया

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

कोटद्वार, राजकीय पॉलिटेक्निक नरेंद्र नगर, टिहरी गढ़वाल के 1989 बैच का एक दिवसीय सम्मेलन सरस्वती वेडिंग पॉइंट, कोटद्वार में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रमेश चन्द्र सिंह रावत ने की, जिन्होंने दीप जलाकर और हनुमान चालीसा पाठ के साथ उद्घाटन किया।

इस सम्मेलन में जनपद उत्तरकाशी से अजय बडौला ने भाग लिया और युवाओं को रोजगार से जोड़ने और गांव की होम स्टे की जानकारी दी। दूर-दूर से आए सहपाठियों ने ग्रामीण विकास पर चर्चा की। टाटा समूह में जनरल मैनेजर हिम्मत सिंह विष्ट ने सेवा निवृत्ति के बाद अपने गांव में वापसी की योजना बताई और भविष्य में गांव के लिए कुछ करने की इच्छा प्रकट की। एयरपोर्ट अथॉरिटी में डायरेक्टर अनिल सैनी ने युवाओं को सेना और एयरफोर्स में जाने के लिए जागरूक करने का विचार प्रकट किया। गजेन्द्र कोठारी, जो दस वर्ष पहले गुजरात से वापस आकर उत्तराखंड में स्वरोजगार कर रहे हैं, ने भी अपने अनुभव साझा किए। अजय प्रकाश बडोला ने हर साल अपने मूल गांव में प्रवासी लोगों के साथ मिलकर परिवार मिलन समारोह आयोजित करने और लोकल जड़ी-बूटी, कौदा, झंगोरा की खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। संदीप शास्त्री ने युवाओं को गौपालन से रोजगार बनाने और गौ सेवा के लिए प्रेरित किया।

वैज्ञानिक राकेश मोहन रावत ने विभिन्न ग्रामीण प्रचालनों द्वारा स्वावलंबन के सुझाव दिए।

सम्मेलन में भाग लेने वाले सभी सहपाठियों ने अपने अनुभव और विचार साझा किए, जिससे ग्रामीण विकास और युवाओं के रोजगार के नए रास्ते खुलने की संभावनाएं बनीं। सम्मेलन के दौरान, विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत पूर्व छात्रों ने अपने अनुभवों से सीखने और गांवों में विकास के लिए योगदान देने की प्रतिबद्धता जताई। इस प्रकार के आयोजनों से न केवल पुराने मित्रों का पुनर्मिलन होता है, बल्कि सामूहिक प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की प्रेरणा भी मिलती है। अजय प्रकाश बडोला ने कहा कि अगले वर्ष 2025 में ऋषिकेश में आयोजित होने वाले समारोह की योजना भी बनाई गई है, जिससे इस प्रकार के आयोजनों की निरंतरता बनी रहे और अधिक से अधिक लोग इसमें शामिल होकर अपने गांवों के विकास में योगदान दे सकें।

संक्षिप्त समाचार

भारत में रह रही सीमा हैदर हुई प्रेग्नेंट, पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर भड़का

करांची,

नेपाल के रास्ते पाकिस्तान से भागकर भारत आई सीमा हैदर के मां बनने की खबरें सामने आने लगी हैं। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा गांव में अपने प्रेमी सचिन के रह रही सीमा हैदर ने कहा है कि वह प्रेग्नेंट है। सीमा के इस बयान के बाद उसका पाकिस्तानी पति गुलाम हैदर भड़क उठा। उसने कहा कि वह अपने जायज बच्चों की परवरिश नहीं कर सकी और अब नाजायज औलाद पैदा कर रही है। गुलाम हैदर ने कहा कि एक दिन वह कानून की जद में जरूर आएगी।

गुलाम हैदर ने एक यूट्यूब लाइव में सीमा हैदर को खूब खरी खोटी सुनाई। एक फॉलोअर की ओर से जब सीमा की प्रेग्नेंसी को लेकर सवाल किया तो गुलाम ने कहा कि जो औरत अपने जायज औलादों की परवरिश ना कर पा रही है वह नाजायज औलादें पैदा करे या ना करे फर्क नहीं पड़ता। पहले जो बच्चे थे उनकी परवरिश तो कर ना सकी। अब चाहे तो 10 नाजायज औलादें पैदा करे। कानून के हाथ बहुत लंबे हैं। उसे यह अहसास दिया जाएगा। उसे माफ नहीं किया जाएगा।

गुलाम हैदर ने कहा कि अदालतों में समय जरूर लगेगा लेकिन सच सामने जरूर आएगा। उसने कहा कि एक गैर मर्द के साथ वह जिस्म के रिश्ते बना रही है और हंसती है ऐसी औरत को क्या कहा जाए। जिसे अपने, बच्चों, शौहर, मां-बाप की इज्जत की परवाह नहीं, उसे क्या फर्क पड़ता है। एक तवायफ भी उससे अच्छी है। यह तो उनसे भी गई गुजरी है। हंसती है, शर्म नहीं आरती, डूब मरो। गुलाम ने कहा कि वह भले ही कितनी मुस्कुरा ले लेकिन उसका अंत बुरा होगा। गुलाम ने कहा कि वह अपनी जिंदगी में सीमा की बबार्दी जरूर देखेगा।

सीमा हैदर के भारत आने के बाद से गुलाम हैदर अपने चार बच्चों को वापस पाकिस्तान भेजने की मांग कर रहा है। इसके लिए वह भारत में अदालत का दरवाजा भी खटखटा चुका है। वह पीएम नरेंद्र मोदी और यूपी के सीएम योगी से भी मदद मांग चुका है। इधर, सीमा हैदर का दावा है कि गुलाम हैदर उस पर अत्याचार करता था। सीमा कहती है कि उसे गुलाम तीन तलाक दे चुका था। सीमा का कहना है कि उसने हिंदू धर्म अपना लिया है और सचिन से शादी भी कर चुकी है।

बांग्लादेश में छा सकता है अंधेरा

200 करोड़ का बिल वसूलेगी त्रिपुरा सरकार

ढाका

बांग्लादेश पर त्रिपुरा का 200 करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया है। राज्य के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि पड़ोसी देश को बिजली आपूर्ति रोकने पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड के माध्यम से त्रिपुरा राज्य विद्युत निगम लिमिटेड पड़ोसी देश को 60-70 मेगावाट बिजली की आपूर्ति करता है। इसके लिए बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड के साथ एक समझौता किया गया है। साहा ने एक इंटरव्यू में कहा कि बांग्लादेश ने हमें बिजली आपूर्ति के लिए लगभग 200 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया है। बकाया राशि हर दिन बढ़ रही है। हमें उम्मीद है कि वे अपना बकाया चुका देंगे, ताकि बिजली आपूर्ति बाधित न हो। यह पूछने पर कि अगर बांग्लादेश बकाया भुगतान करने में विफल रहता है तो क्या त्रिपुरा सरकार बिजली की आपूर्ति रोक देगी, मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा में बिजली उत्पादन संयंत्र की स्थापना के लिए कई मशीनरी बांग्लादेशी क्षेत्र या चटगांव बंदरगाह के माध्यम से लाई गई थी। ऐसे में कृतज्ञता के कारण त्रिपुरा सरकार ने एक समझौते के बाद देश को बिजली की आपूर्ति शुरू कर दी थी।

बिल नहीं चुकाया तो कटेगी बिजली

सीएम साहा ने कहा कि लेकिन, मुझे नहीं पता कि अगर वे बकाया राशि का भुगतान नहीं करते हैं तो हम बांग्लादेश को कब तक बिजली की आपूर्ति जारी रख पाएंगे। त्रिपुरा ने मार्च 2016 में बांग्लादेश को बिजली की आपूर्ति शुरू की थी। बिजली का उत्पादन दक्षिणी त्रिपुरा के पलाटाना में सरकारी स्वामित्व वाली ओएनजीसी त्रिपुरा पावर कंपनी के गैस आधारित 726 मेगावाट उत्पादन क्षमता वाले बिजली संयंत्र में किया जाता है।

ब्राजील में चिमनी से टकराकर दुकान पर गिरा विमान, दस की मौत, कई घायल

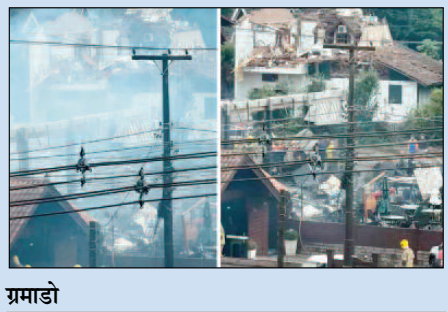

ग्रमाडो

दक्षिणी ब्राजील में पर्यटकों को आकर्षित करने वाले शहर ग्रमाडो में रविवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार 10 लोगों की मौत हो गई है। कम से कम 15 घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से ज्यादातर दुर्घटना से लगी आग और उससे निकले धुंए के कारण पीड़ित हो गए।

मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि विमान पहले एक इमारत की चिमनी से टकराया फिर एक घर की दूसरी मंजिल को। इसके बाद फर्नीचर की दुकान से टकरा गया। हादसे के बाद विमान का मलबा पास के एक सराय में भी जाकर गिरा। ब्राजील में यह दो दिन में दूसरा बड़ा हादसा है। इससे पहले शनिवार को ब्राजील के मिनस गैरेस राज्य में एक सड़क हादसे में 38 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 13 लोग घायल हुए थे। बस साओ पाउलो से रवाना हुई थी और इसमें 45 यात्री सवार थे। एक कार बस से टकराई, लेकिन उसमें सवार तीन लोग सुरक्षित बच गए।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को हल्की गिरावट के बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही मुनाफावसूली हावी रहने के कारण आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 67.30 अंक करीब 0.09 फीसदी नीचे आकर 78,472.87 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 25.80 अंक तकरीबन 0.11 फीसदी नीचे आकर 23,727.65 पर बंद हुआ। मंथली एक्सपायरी के दिन निफ्टी बैंक 84 अंक गिरकर 51,233 पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान निफ्टी पर पावर ग्रिड कॉर्प, जेएसडब्ल्यू स्टील, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टाइटन कंपनी और एसबीआई के शेयर नीचे आये। वहीं टाटा मोटर्स, अडानी एंटरप्राइजेज, आयशर मोटर्स, बीपीसीएल और आईटीसी के शेयर लाभ में रहे।

सेक्टरों में वाहन, उपलभोक्ता उत्पाद (एफएमसीजी), तेल एवं गैस में खरीदारी देखी गई, जबकि आईटी, मीडिया, मेटल, पीएसयू बैंक में बिकवाली हावी रही। बीएसई मिडकैप इंडेक्स सपाट ,जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स 0.3 फीसदी ऊपर आकर बंद हुआ।

बाजार जानाकरों के अनुसार धीमी शुरूआत के बाद निफ्टी वाहन और आईटी कंपनियों के कारण ऊपर आने लगा पर तभी कई कारण से उसपर अंकुश लग गया। ऑटो और एफएमसीजी सेक्टर में सबसे ज्यादा तेजी रही।

जहां मिडकैप्स ऊपर आये। स्मॉलकैप्स का प्रदर्शन भी अच्छा रहा और वह बढ़त पर बंद हुआ। आज ऑटो शेयरों में निचले स्तरों पर खरीदारी देखने को मिली। जबकि मेटलऔर पीएसयू बैंक इंडेक्सों में ऊपरी स्तरों पर इंट्राडे मुनाफावसूली हुई। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो डाओ फ्यूचर्स और निक्केई भी सुस्त दिखाई दिए। कल की तेजी में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने स्टॉक फ्यूचर्स में 6500 करोड़ रुपए से ज्यादा की खरीदारी की। घरेलू कोषों ने भी 2200 करोड़ से ज्यादा के शेयर खरीदे। अमेरिकी बाजार संभलकर दिन की ऊंचाई के पास बंद हुए। डाओ 400 अंकों की शानदार रिकवरी के साथ करीब 70 अंक चढ़ा तो नैस्डैक 200 अंक उछला।

इससे पहले आज सुबह शेयर बाजारों की सकारात्मक शुरूआत हुई और दोनों प्रमुख इंडेक्स हरे निशान में ओपन हुए हालांकि, कोई मजबूत ट्रिगर पॉइंट नहीं मिलने के कारण बाजार में उतार-चढाव देखने को मिल रहा है। बीएसई सेंसेक्स 167 अंकों की बढ़त लेकर 78,707.37 पर खुला। इसी प्रकार तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 62.95 अंक की बढ़त लेकर 23,816.40 पर कारोबार कर रहा था। इससे पिछले ट्रेडिंग सेशन में विदेशी निवेशकों ने घरेलू बाजारों से 168.71 करोड़ रुपये निकाले जबकि घरेलू निवेशकों ने 2,227.68 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

देश में पब्लिक ईवी चार्जर की कुल संख्या हुई 25,202

नई दिल्ली

देश में पब्लिक ईवी चार्जर की कुल संख्या 25,202 हो गई है। देश में पब्लिक इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) चार्जर की संख्या अब 25,000 के आंकड़े को पार कर चुकी है। देश के भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने एक लिखित उत्तर में राज्यसभा को बताया कि कर्नाटक 5,765 पब्लिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों के साथ पहले स्थान पर है। इसके बाद महाराष्ट्र 3,728 स्टेशनों के साथ दूसरे और उत्तर प्रदेश 1,989 स्टेशनों के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत सरकार द्वारा ईवी के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू की गई हैं। भारी उद्योग मंत्रालय (एमएचआई) ने 29 सितंबर 2024 को पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना को नोटिफाई किया था, जिसका उद्देश्य

इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने में तेजी लाना, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना करना और देश में ईवी मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है। इस योजना के लिए दो साल की अवधि में 10,900 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जिसमें से 2,000 करोड़ रुपये सार्वजनिक ईवी चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना के लिए आवंटित किए गए हैं।

इसके अतिरिक्त, विद्युत मंत्रालय ने 17 सितंबर को इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थापना और संचालन के लिए दिशानिर्देश 2024 भी जारी किए थे, जिसमें देश में कनेक्टेड और इंटरऑपरेबल ईवी चार्जिंग नेटवर्क बनाने के लिए मानकों और प्रोटोकॉल की रूपरेखा तैयार की गई है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के वाहन पोर्टल के अनुसार, 4 दिसंबर तक देश में कुल 28,55,015 पंजीकृत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन और 2,57,169 इलेक्ट्रिक चार पहिया वाहन हैं। भारतीय ईवी चार्जिंग मार्केट 2030 तक 3.7 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जिससे इस क्षेत्र में और विकास की संभावना जताई जा रही है। देश में ईवी चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रकार, चलने के पैटर्न, इलाके और शहरीकरण की स्थिति पर निर्भर करती है।

गिरगिट की तरह रंग बदलती है ईशा अंबानी की कार

मुंबई

एशिया के सबसे रईसों की सूची में शामिल उद्योगपति मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी हाल ही में मुंबई में एक लग्जरी कार में नजर आई हैं। यह कार बेंटले बेंटायगा एसयूवी है, जिसकी खास बात यह है कि यह कार धूप में अपना रंग बदलती है। ईशा अंबानी की यह कार बेहद खास है। हाल ही में जिस बेंटले बेंटायगा एसयूवी में ईशा अंबानी दिखी है, वह कार अभिनेता रणबीर कपूर के घर के सामने भी दिखाई दी थी। ईशा अंबानी की यह कार गिरगिट की तरह रंग बदलती है। ईशा अंबानी की बेंटले बेंटायगा एसयूवी वैसे तो सफेद रंग की है, लेकिन यह कार छाया में काले या गहरे भूरे रंग की दिखाई देती है। वहीं सूरज की रोशनी में ये कार नीले, हरे और बैंगनी रंग की दिखाई देती है। दरअसल, इस कार में ऐसे कण हैं, जो अलग अलग तरह की रोशनी में अलग अलग तरह से अपना रंग बदलते हैं। इसे कलर-शिफ्टिंग रैप कहा जाता है। ईशा अंबानी की बेंटले बेंटायगा एसयूवी की कीमत 4 करोड़ रुपये है। इस कार का कलर-शिफ्टिंग रैप फीचर ही इस कार को और कारों से अलग और महंगा बनाता है।

अमेरिकी जहाजों से वसूला जा रहा अनुचित शुल्क, ट्रंप ने दी पनामा नहर वापस लेने की धमकी

वाशिंगटन

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पनामा नहर को लेकर एक बयान में कहा था कि पनामा से होकर गुजरने वाले अमेरिकी जहाजों से अनुचित शुल्क वसूला जा रहा है, जिसे देखकर लगता है कि अब इसका नियंत्रण वापस अमेरिका को अपने हाथ में लेना होगा। ट्रंप के इस बयान के बाद अब पनामा के राष्ट्रपति ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है।

पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने ट्रंप की बातों को खारिज करते हुए कहा कि पनामा से होकर गुजरने वाले जहाजों से लिया जाना वाला शुल्क एक्सपर्ट्स की ओर से तय है। मुलिनो ने कहा कि नहर का जर्रा-जर्रा पनामा का है और हमारा ही रहेगा। ट्रंप ने कहा था कि हमारी नौसेना और कारोबारियों के साथ अनुचित व्यवहार किया गया। पनामा द्वारा ली जा रही फीस हास्यास्पद है। इस तरह की चीजों को तुरंत बंद किया जाना चाहिए। अगर पनामा चैनल का सुरक्षित, कुशल और विश्वसनीय तरीके से संचालन नहीं होता है तो हम मांग करेंगे कि पनामा नहर हमें पूरी तरह वापस की जाए। दुनियाभर की जियोपॉलिटिक्स में पनामा नहर काफी मायने रखती है। यह 82 किलोमीटर लंबी नहर अटलांटिक महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ती है। दुनियाभर का छह फीसदी समुद्री व्यापार इसी नहर से होता है। अमेरिका के लिए इस नहर का बहुत महत्व है। अमेरिका के साथ ही दक्षिण अमेरिकी देशों का बड़ी संख्या में आयात-निर्यात भी पनामा नहर के जरिए ही होता है। एशिया से अगर कैरेबियाई देश माल भेजना हो तो जहाज पनामा नहर से होकर ही गुजरते हैं।

मेट्रो में महिला को जिंदा जलाया, फिर स्टेशन पर बैठकर देखता रहा

स्कूली बच्चों की सूचना पर पुलिस ने 8 घंटे में किया आरोपी को गिरफ्तार

न्यूयॉर्क सिटी

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में एक महिला की मेट्रो में आग लगाकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी सुबह 7:30 बजे मेट्रो में महिला के पास पहुंचा और स्टेशन पर उतरने से पहले उसने मेट्रो में आग लगा दी। आग में जलने से महिला की मौत हो गई।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि आरोपी ने लाइटर से महिला के एक सफेद कपड़े में आग लगाई थी। आग लगने की वजह से कपड़ा चंद सेकंड में ही जल गया। इसके बाद आग महिला के दूसरे कपड़ो में आग फैल गई। पीड़ित महिला की पहचान नहीं हो सकी है। आग लगाने के बाद आरोपी मेट्रो से उतरकर स्टेशन पर जाकर बैठ गया था। प्लेटफॉर्म पर बैठे-बैठे वह महिला को जलते हुए देख रहा।

जानकारी के मुताबिक मेट्रो स्टेशन पर गश्त कर रहे पुलिस अधिकारियों को ट्रेन से धुआं निकलता दिखाई दिया और बदबू आई। इसके बाद वह मौके पहुंचे और पाया कि महिला आग में जल रही थी। इसके बाद अधिकारियों ने आग को बुझाया। मौके पर पहुंचे फायर ब्रिगेड

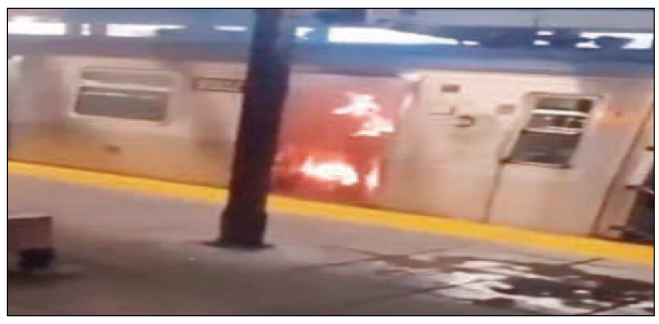

कर्मचारियों ने जांच के बाद महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि महिला घटना के समय सो रही थी। आग लगाने से पहले आरोपी और महिला के बीच कोई बातचीत नहीं हुई थी। पुलिस के मुताबिक दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे।

एक रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ने महिला के कंबल में आग लगाई थी। ये आग तब तक फैलती रही जब तक महिला आग की लपटों से घिरकर खड़ी नहीं हो गई। स्टेशन पर बैठा आरोपी की तस्वीरें पुलिस के बॉडी कैमरों में कैद हो गई थीं। उस वक्त उसकी पहचान नहीं हो पाई थी। मेट्रो के सीसीटीवी से मिले वीडियो में आरोपी के हुलिए के आधार पर उसकी पहचान हुई।

इसके बाद पुलिस ने बॉडी कैमरों से मिली फुटेज को सार्वजनिक कर लोगों से आरोपी को पकड़ने में मदद मांगी। पुलिस ने आरोपी पर 10 हजार डॉलर का इनाम भी रखा। इसके बाद 3 स्कूली बच्चों ने आरोपी को देखकर उसके बारे में जानकारी दी। घटना के 8 घंटे बाद ही पुलिस ने उसे एक दूसरी मेट्रो ट्रेन से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उससे हत्या के बारे में जानकारी हासिल कर रही है।

भारत ऐसा बन गया जिसकी राय के बिना दुनिया आगे नहीं बढ़ सकती

बर्लिन

2000 के दशक की शुरूआत में जब चीन की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी तो उस पर कई किताबें लिखी गईं। अब जब भारत वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बना रहा है तो इसे लेकर भी काफी दिलचस्पी है। इसी बीच जर्मनी के पूर्व राजदूत वाल्टर जे लिंडनर ने भारत पर एक किताब लिखी है। यह किताब उस लिखी जब वह 2019 से 2022 तक भारत में जर्मन राजदूत रहे। इससे पहले वे जर्मन विदेश मंत्रालय में राज्य सचिव रह चुके थे।

उनका भारत के साथ रिश्ता 1970 के दशक में एक बैकपैकिंग ट्रिप से शुरू हुआ था। लिंडनर अपनी किताब में बताते हैं कि भारत को उसकी सॉफ्ट पावर के लिए पहचाना जाता है। भारत की आध्यात्मिकता, संस्कृति, धर्म, संगीत और इतिहास ने दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि अब भारत की जनसंख्या दुनिया में सबसे बड़ी हो गई है और इसलिए इस-का महत्व सिर्फ सॉफ्ट पावर से कहीं ज्यादा है। यह एक ऐसा देश बन गया है जिसकी राय और भागीदारी के बिना दुनिया आगे नहीं बढ़ सकती। वह भारतीय मीडिया के निशाने पर तब आए थे जब उन्हें दिल्ली की सड़कों पर लाल रंग की एंबेसडर कार में देखा गया था। इसके बाद उन्होंने भारत पर एक किताब लिखने का मन बनाया।

लिंडनर ने कहा कि आजकल दुनिया में कई

राजनीतिक उथल-पुथल, युद्ध और संघर्ष चल रहे हैं। ऐसे में भारत ने महाशक्तियों के बीच संतुलन बनाने में सफलता हासिल की है। चाहे वह जल संकट का समाधान हो, बड़े शहरों का संचालन हो या प्लास्टिक के खिलाफ लड़ाई– इन सभी मुद्दों का समाधान भारत में मिल सकता है।

लिंडनर ने यह भी कहा कि भारत की विदेश नीति में पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण बदलाव आया है और इसने दुनिया में एक नई भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी देशों में अक्सर भारत पर दबाव डाला जाता है कि वह संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पश्चिमी देशों के साथ समान मतदान पैटर्न अपनाए। इसके जवाब में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि पश्चिमी देशों में अक्सर दोहरे मापदंड होते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत रणनीति अपनानी चाहिए जो उसे गुटबाजी की राजनीति से दूर रखे।

बता दें कि लिंडनर की किताब में भारत की बदलती भूमिका और उसकी बढ़ती ताकत को लेकर एक सकारात्मक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। आज भारत न केवल सॉफ्ट पावर के रूप में बल्कि एक सशक्त और संतुलित वैश्विक खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है जो पूरी दुनिया में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

अमेरिकी जहाजों से वसूला जा रहा अनुचित शुल्क, ट्रंप ने दी पनामा नहर वापस लेने की धमकी

वाशिंगटन

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पनामा नहर को लेकर एक बयान में कहा था कि पनामा से होकर गुजरने वाले अमेरिकी जहाजों से अनुचित शुल्क वसूला जा रहा है, जिसे देखकर लगता है कि अब इसका नियंत्रण वापस अमेरिका को अपने हाथ में लेना होगा। ट्रंप के इस बयान के बाद अब पनामा के राष्ट्रपति ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने ट्रंप की बातों को खारिज करते हुए कहा कि पनामा से होकर गुजरने वाले जहाजों से लिया जाना वाला शुल्क एक्सपर्ट्स की ओर से तय है। मुलिनो ने कहा कि नहर का जर्रा-जर्रा पनामा का है और हमारा ही रहेगा। ट्रंप ने कहा था कि हमारी नौसेना और कारोबारियों के साथ अनुचित व्यवहार किया गया। पनामा द्वारा ली जा रही फीस हास्यास्पद है। इस तरह की चीजों को तुरंत बंद किया जाना चाहिए। अगर पनामा चैनल का सुरक्षित, कुशल और विश्वसनीय तरीके से संचालन नहीं होता है तो हम मांग करेंगे कि पनामा नहर हमें पूरी तरह वापस की जाए।

दुनियाभर की जियोपॉलिटिक्स में पनामा नहर काफी मायने रखती है। यह 82 किलोमीटर लंबी नहर अटलांटिक महासागर और प्रशांत महासागर को जोड़ती है। दुनियाभर का छह फीसदी समुद्री व्यापार इसी नहर से होता है। अमेरिका के लिए इस नहर का बहुत महत्व है। अमेरिका के साथ ही दक्षिण अमेरिकी देशों का बड़ी संख्या में आयात-निर्यात भी पनामा नहर के जरिए ही होता है। एशिया से अगर कैरेबियाई देश माल भेजना हो तो जहाज पनामा नहर से होकर ही गुजरते हैं। पनामा नहर पर कब्जा होने की स्थिति में दुनियाभर की सप्लाई चेन बाधित होने का खतरा है।

बता दें कि पनामा नहर का निर्माण 1881 में फ्रांस ने किया था, लेकिन 1904 में अमेरिका ने इस नहर के निर्माण की जिम्मेदारी संभाली और 1914 में अमेरिका द्वारा इस नहर को पूरा किया। इसके बाद पनामा नहर पर अमेरिका का ही नियंत्रण था, लेकिन साल 1999 में अमेरिका ने पनामा नहर का नियंत्रण पनामा सरकार को सौंप दिया। अब इसका प्रबंधन पनामा कैनाल अथॉरिटी करती है।

अश्विन की जगह लेंगे तनुष कोटियन

मेजबर्न

भारतीय टीम गुरुवार से यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वोले बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में एक बड़े बदलाव के साथ उतरेगी। इस मैच में ऑफ स्पिन ऑलराउंडर तनुष कोटियन को आर अश्विन की जगह पर शामिल किया गया है। पहले कहा जा रहा था कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएंगे पर बाद में तनुष को भेजने की बात सामने आयी। .

इससे पहले बीसीसी की मेडिकल टीम ने साफ कर दिया था कि शमी चोटिल हैं और वो ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जाएंगे। इसी के साथ बीसीसीआई ने तनुष कोटियन के टीम में शामिल करने की भी पुष्टि कर दी। अश्विन की तरह ही तनुष भी गेंदबाजी के साथ ही अच्छी बल्लेबाजी भी करते हैं।

तनुष कोटियन मुंबई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं।

उन्होंन भारतीय अंडर 19 टीम से भी खेला है। भारत-ए के हाला के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी वह टीम का हिस्सा थे। इस क्रिकेटर ने आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स के लिए एक मुकाबला भी खेला था हालांकि आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में उन्हें किसी ने नहीं खरीदा था। कोटियन ने 2018-19 के रणजी सत्र के जरिए फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। उन्होंने अब तक 33 फर्स्ट क्लास मैचों में 25.70 के औसत से 101 विकेट हासिल किए हैं. इस दौरान उन्होंने 3 मौकों पर पारी में 5 विकेट लिए.

बल्लेबाजी की बात करें तो तनुष ने 41.21 के औसत से 1525 रन बनाए हैं। फर्स्ट क्लास क्रिकेट में कोटियन ने 2 शतक और 13 अर्धशतक लगाए हैं। उन्होंने 20 लिस्ट-ए और 33 टी20 मुकाबले भी खेले हैं। लिस्ट-ए मैचों में कोटियन के नाम पर 43.60 की औसत से 20 विकेट दर्ज हैं. वहीं टी20 मैचों में उन्होंने 20.03 के एवरेज से 33 विकेट लिए हैं।

लिस्ट-ए मैचों में तनुष कोटियन ने 90 और टी20 मैचों में 87 रन बनाए हैं।

हेड की मांसपेशिया में आया खिंचाव , कोच मैकडोनाल्ड को मैच तक फिट होने का भरोसा

बदलावों के साथ उतरेगी मेजबान टीम , कोंस्टास पदार्पण करेंगे

मेलबर्न

भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम को स्टार बल्लेबाज ट्रेविस हेड के चोटिल होने से करारा झटका लगा है। दोनो टीमों के बीच 26 दिसंबर से ये टेस्ट खेला जाएगा। अब देखना है कि हेड इस मैच से पहले फिट होते या नहीं। हेड को अपनी चोट के कारण फिटनेस टेस्ट से गुजरना होगा हालांकि कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड को विश्वास है कि ये प्रमुख बल्लेबाज मैच के लिए फिट हो जाएगा। टीम अंतिम ग्यारह पर फैसला बुधवार को करेगी। ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते समय हेड को मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था। इस कारण वह बाद में क्षेत्ररक्षण के लिए भी नहीं उतरे थे। हेड ने गत दिवस नेट अभ्यास किया। इसके अलावा वह आउट फील्ड में फिल्डिंग करते हुए भी नजर आये। इसी को देखते हुए कोच ने कहा अभी कोई चिंता की बात नहीं है। ऐसे में मुझे पूरा भरोसा है कि वह खेल सकेगा।

इस बॉक्सिग डे टेस्ट मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम बड़े बदलावों के साथ उतरेगी। 19 साल के युवा सैम कोंस्टास इस मैच में अपना टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करेंगे। कोंस्टास भारत के खिलाफ बॉक्सिंग-डे पर 19 वर्ष और 85 दिन की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू करने वाले चौथे सबसे युवा ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन जाएंगे, उनसे कम उम्र में केवल इयान क्रेग, पैट कमिंस और टॉम गैरेट ने ही डेब्यू किया था।

मैकडोनाल्ड ने पुष्टि की कि ऑस्ट्रेलियाई टीम में कम से कम दो बदलाव होंगे. जिसमें कोंटास नाथन मैकस्वीनी की जगह लेंगे और स्कॉट बोलैंड चोटिल जोश हेजलवुड की जगह लेंगे। उन्होंने कहा कि मिचेल मार्श पूरी तरह से फिट हैं। उन्होंने नेट में लंबा गेंदबाजी स्पेल किया जिससे लग रहा है कि उनकी पीठ की समस्या अब ठीक है। मैकडोनाल्ड ने कहा, मार्श पूरी तरह से फिट हैं और गेंदबाजी के लिए उपलब्ध हैं। ऐसे में ब्यू वेबस्टर या जोश इंगलिस को बॉक्सिंग डे पर टेस्ट डेब्यू का अवसर नहीं मिलेगा।

इस सीरीज में काफी प्रभावी रहे हैं स्टार्क : पुजारा

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि इस सीरीज में अब तक बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की ओर से तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने काफी अच्छी गेंदबाजी की है। पुजारा ने कहा कि अब तक इस सीरीज में स्टार्क ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। साथ ही कहा कि पिछले कुछ समय में उनके प्रदर्शन में काफी सुधार आया है। उनमें काफी क्षमताएं हैं। जब उनके खिलाफ 2018 या 2021 में पिछली सीरीज में हम खेले थे, तो मुझे लगता था कि मैं रन बना लूंगा पर अब, जब वह इस सीरीज में खेल रहे हैं, तो ऐसा लगता है कि वह विकेट निकाल लेंगे।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय में इस तेज गेंदबाज ने अपनी लाइन लेंथ और सटीकता बढ़ाई है। उन्होंने कहा, तो अंतर क्या है? अंतर यह है कि उनकी लाइन लेंथ, उनकी सटीकता बहुत बेहतर हो गयी है। वह बहुत कम ढीली गेंदें फेंक रहे हैं जिससे बल्लेबाजों को अवसर नहीं मिल रहा। वह स्टंप पर गेंद फेंक रहे हैं। हर गेंद अच्छी लेंथ स्पॉट पर आ रही है। जिससे उन्हें काफी स्विंग मिल रही है। उन्होंने अपने खेल में जो बदलाव लाया है, उसने उन्हें एक अलग खिलाड़ी बना दिया है। अब वह पैट कमिंस और जोस हेजलवुड से ज्यादा खतरनाक गेंदबाज नजर आ रहे हैं।

इस क्रिकेटर ने कहा कि स्टार्क पारी आगे बढ़ने पर थक जाते हैं जिससे निचले क्रम के बल्लेबाजों के लिए उनके खिलाफ रन बनाना आसान होता है। उन्होंने कहा, इसलिए पहले 5 ओवरों में उनके पहले स्पैल में, उन्होंने सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं। हमारे शीर्ष क्रम ने कभी तीसरे या चौथे स्पैल में नहीं खेला है। जो खेले हैं वे निचले मध्य क्रम और निचले क्रम के बल्लेबाज रहे हैं। जब जसप्रीत बुमराह और आकाशदीप तीसरे टेस्ट में बल्लेबाजी कर रहे थे तब स्टार्क उतने प्रभावी नहीं थे।।

शमी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं जाएंगे : बीसीसीआई

मुंबई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अभी पूरी तरे से फिट नहीं हुए हैं। इसलिए उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नहीं भेजा जाएगा। पहले ये माना जा रहा था कि चौथे और पांचवें टेस्ट के लिए शमी को भेजा जा सकता है। शमी को फिटनेस साबित करने घरेलू क्रिकेट में अवसर दिया गया था पर वह इसमें नाकाम रहे। शमी पिछले साल हुए एक-दिवसीय विश्वकप के बाद से ही टीम से बाहर हैं। विश्वकप के दौरान उनके घुटने में चोट लग गयी थी जिसकी सर्जरी भी की गयी पर वह पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाये हाल में घरेलू क्रिकेट के दौरान उनके घुटने में सूजन आ गयी थी।

वहीं भारतीय टीम के कप्तान रोहित ने भी सीरीज के दौरान कहा था कि शमी अभी पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं और ऑस्ट्रेलिया सीरीज के लिए उनका चयन संभव नहीं है। रोहित ने कहा था कि हम अनफिट शमी को दौरे पर ले जाने का जोखिम नहीं उठा सकते।

वहीं बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने कहा है कि शमी पूरी तरह ठीक हो गए है।. उनका सर्जरी के बाद रिहैब भी पूरा हो गया है ।शमी ने हाल ही में रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए खेलते हुए मध्यप्रदेश के खिलाफ एक मैच में 43 ओवर गेंदबाजी की थी।

शमी ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के भी सभी 9 मैच खेले। इसके अलावा उन्होंने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी की तैयारी को लेकर अतिरिक्त गेंदबाजी सत्र में भी भाग लिया। इस दौरान दबाव पड़ने से उनके बाएं घुटने में सूजन आ गयी। इस-ाको लेकर मेडिकल टीम ने बताया कि शमी ने काफी लंबे समय बाद गेंदबाजी की है। ऐसे में सूजन आना स्वभाविक है। मेडिकल टीम ने जांच में पाया है कि शमी को पहले जैसी गेंदबाजी करने की लय और क्षमता हासिल करने में समय लगेगा। इसी कारण उन्हें अभी टीम में शामिल न करते हुए आराम दिया गया है।

दूसरी शादी पर बोले हनी सिंह- मैं चाहता हूं कि मेरी एक नहीं कम से कम 5 बेटियां हों

नई दिल्ली

तलाक का दर्द झेलने के बाद हनी सिंह दोबारा वापसी कर चुके हैं। बस यहीं पर एक शॉट आता है। जब हनी सिंह की मां कहती हैं, मेरा बेटा हमेशा से बेटी चाहता था। अब शायद वो बेटी को गोद लेगा। हनी सिंह की आंखें भीगी हैं। ये तो बात थी उनकी डॉक्यूमेंट्री की। हनी सिंह से पूछा, रैपर ने दिल से इसका जवाब दिया कि दूसरी शादी करूंगा तो जरूर चाहूंगा मेरी कम से कम 5 बेटियां हो। फिर मैं घर पर ही स्पाइस गर्ल का ग्रुप बनाऊं। अगर ऊपर वाले ने चाहा तो ऐसा जरूर होगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ तो मैं एक बेटी जरूर गोद लूंगा। जब शोहरत में डूबे हनी सिंह ने देखा नरक, मां से बोले- बचा लो मुझे, अब खुलेगा डार्क सीक्रेट हनी से जब ये पूछा गया कि क्या आप अपने जैसा बेटा नहीं चाहते? तो वो थोड़ा रुके फिर बोले मैं अपने से भी लायक बेटी चाहूंगा। हनी सिंह ने ये साफ कर दिया है कि वो रिश्ते में आने के लिए तैयार हैं। घर बसाने के साथ वो बेटियों के पिता भी बनना चाहते हैं।

शाहरुख और हम एक-दूसरे के लिए बने हैं: अभिजीत भट्टाचार्य

मुंबई

हाल ही में सलमान खान और शाहरुख खान के साथ अपने रिश्तों को लेकर सिंगर अभिजीत भट्टाचार्य ने चौंकाने वाला बयान दिया है। एक पॉडकास्ट में अभिजीत ने दोनों खानों के साथ अपने प्रोफेशनल अनुभव और मतभेदों पर खुलकर चर्चा की।

सलमान खान के बारे में बात करते हुए अभिजीत ने कहा, सलमान अभी भी उस दायरे में नहीं आते कि मैं उनके बारे में चर्चा करूं। उन्होंने होस्ट से अनुरोध किया कि उनसे सलमान खान या उनकी आगामी फिल्म टाइगर 3 से जुड़े सवाल न पूछें। शाहरुख खान पर बात करते हुए अभिजीत ने उन्हें एक अलग क्लास का इंसान बताया। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि उनके और शाहरुख के बीच रिश्ते में खटास किसी व्यक्तिगत वजह से नहीं, बल्कि प्रोफेशनल कारणों से आई है। उन्होंने कहा, शाहरुख और मैं एक-दूसरे के लिए बने हैं, जैसे पति-पत्नी होते हैं। झगड़े तो होते ही हैं, लेकिन पैचअप भी जरूरी है। एक को कदम बढ़ाना पड़ेगा। अगर वो मुझसे मिले तो मैं जरूर कहूंगा कि हम दोनों के लिए गाना क्यों नहीं बन रहा।

अभिजीत ने इससे पहले शाहरुख के लिए गाने से इनकार कर दिया था, जिससे उनके बीच दरार की खबरें आई थीं।

बड़े बदलावों के दौर से गुजर रहा टीवी शो अनुपमा

मुंबई

छोटे परदे का पॉपुलर शो अनुपमा बड़े बदलावों के दौर से गुजर रहा है। हाल ही में अनुज कपाड़िया का किरदार निभाने वाले गौरव खन्ना ने अनुपमा से विदा ली थी। इनके बाद एक और एक्ट्रेस अलीशा परवीन ने भी शो को अलविदा कह दिया है।

अलीशा परवीन ने महज दो महीने पहले ही शो में एंट्री की थी, जब कहानी में एक बड़ा जेनरेशन लीप आया था। दर्शकों ने उन्हें रूपाली गांगुली द्वारा निभाए गए मुख्य किरदार अनुपमा की गोद ली हुई बेटी राही के रूप में खूब पसंद किया। खासतौर पर उनकी प्रेम (शिवम खजुरिया) के साथ केमिस्ट्री को काफी सराहा गया। लेकिन अब अचानक उनके शो छोड़ने की खबर ने फैंस को हैरान कर दिया है। अलीशा ने खुद इस बात की पुष्टि की है और इसे उनके लिए चौंकाने वाला और निराशाजनक

अनुभव बताया। उन्होंने कहा, मुझे बिल्कुल अंदाजा नहीं था कि ऐसा कुछ होगा।

अनुपमा के सेट पर आज मेरा आखिरी दिन था। यह एक शानदार मौका था और हर कोई मुझे और शिवम की जोड़ी को पसंद कर रहा था। लेकिन मुझे अचानक हटाने का फैसला क्यों लिया गया, यह मेरे लिए भी रहस्य है। उन्होंने आगे कहा, मेरी कल एक मीटिंग हुई थी, जिसमें मुझे इस फैसले के बारे में बताया गया। यह काफी अप्रत्याशित था। हालांकि इंडस्ट्री में ऐसा कभी-कभी होता है। मैं अब अपने भविष्य के प्रोजेक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करूंगी। फिलहाल, शो की कहानी राही और प्रेम के इर्द-गिर्द घूम रही है।

कहानी में दिखाया गया है कि प्रेम, राही के प्रति अपने प्यार का इजहार करता है, लेकिन राही अपने फीलिंग्स से इनकार कर देती है। इससे निराश होकर प्रेम, अनुपमा के किचन में शेफ की नौकरी छोड़ देता है और पूरे परिवार को अलविदा कह देता है। बाद में, राही को एहस-ास होता है कि वह भी प्रेम से प्यार करती है। अलीशा के शो छोड़ने से यह सवाल उठ रहा है कि क्या उनके किरदार को किसी और के जरिए जारी रखा जाएगा या कहानी को किसी और दिशा में मोड़ा जाएगा। बता दें कि अनुपमा शो के अहम किरदार लगातार इसे छोड़ रहे हैं, जिससे दर्शकों के बीच हैरानी और निराशा बढ़ रही है।

कंगना ने दिलजीत के गानों का समर्थन कर चौकाया

मुंबई

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ इन दिनों अपने दिल-लुमिनाटी इंडिया टूर को लेकर चर्चा में हैं। लेकिन उनके गानों को लेकर तेलंगाना, पंजाब, राजस्थान और महाराष्ट्र में विवाद खड़ा हो गया है।

कई राज्यों में उनके कॉन्सर्ट के दौरान शराब या ड्रग्स को प्रमोट करने वाले गानों पर बैन लगाया गया, जिसके चलते दिलजीत को आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। वहीं बालीवुड एक्ट्रेस एवं भाजपा सांसद कंगना रनौत ने पंजाबी सिंगर का समर्थन कर सबको चौंका दिया है। दिलजीत का समर्थन करते हुए कहा कि यह सिर्फ कलाकारों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज की भी है। उन्होंने कहा, गानों और फिल्मों से आप हर चीज निकाल देंगे, लेकिन क्या यह लोगों की जिम्मेदारी नहीं है? शराब तो हर जगह बैन है, लेकिन क्या वो बिकना बंद हो गई? कितने हादसे हो रहे हैं, लेकिन कौन इन नियमों को फॉलो करता है?

दिलजीत दोसांझ को इससे पहले बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने चंडीगढ़ में होने वाले उनके कॉन्सर्ट के लिए नोटिस जारी किया था। आयोग ने सिंगर को निर्देश दिया था कि वह शराब या ड्रग्स को प्रमोट करने वाले गाने न गाएं और बच्चों को स्टेज पर न बुलाएं। तेलंगाना स-रकार ने भी उनके हैदराबाद कॉन्सर्ट में शराब और हिंसा को बढ़ावा देने वाले गानों पर रोक लगाई थी। इसके अलावा, इंदौर में बजरंग दल

ने दिलजीत के कॉन्सर्ट का विरोध किया था। इन घटनाओं ने दिलजीत के टूर को विवादों के केंद्र में ला दिया है।

कंगना का यह बयान न केवल दिलजीत के प्रति उनके बदले हुए रवैये को दिखाता है, बल्कि यह भी इंगित करता है कि कलाकारों पर बैन लगाने की बजाय समाज को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। कंगना और दिलजीत, जो पहले किसान आंदोलन के मुद्दे पर एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी कर चुके हैं, उनके इस बदले हुए रुख ने फैंस को हैरान कर दिया है। बता दें कि कंगना रनौत, जो अक्सर अपने वि-वादित बयानों और दिलजीत दोसांझ से तकरार के लिए सुर्खियों में रहती हैं, इस बार उन्होंने पंजाबी सिंगर का समर्थन कर सबको चौंका दिया है।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दशार्ये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतू कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधान कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल
जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर,
हरिद्वार
मो. 9219141431
किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अमित कुमार ने जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार ;उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा सम्पादकः अमित कुमार